A Daily News Magazine
भोपाल
सोमवार, 16 फरवरी, 2026

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 23, अंक 166, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

बांग्लादेश : तारिक़ रहमान का पीएम बनना भारत के लिए अच्छा विकल्प क्यों?

शुभज्योति घोष

बांग्लादेश में हुए बीते चार आम चुनावों में परिणाम घोषित होने के बाद जीतने वाले दल को बधाई देने के मामले में भारतीय प्रधानमंत्री बाक़ी विदेशी नेताओं से आगे रहे हैं। फिर चाहे नई दिल्ली में मनमोहन सिंह सत्ता में रहे हों या नरेंद्र मोदी यह सिलसिला बिना किसी अपवाद के कायम रहा है। 13 फ़रवरी की सुबह इस परंपरा का एक बार फिर पालन किया गया। लेकिन इस बार बांग्लादेश में राजनीतिक समीकरण पूरी तरह से बदल चुके हैं। 13 फ़रवरी की सुबह 9 बजे के क़रीब पीएम नरेंद्र मोदी ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को चुनाव में बढ़त मिलने के बाद बधाई देते हुए एक पोस्ट किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'यह जीत बांग्लादेश की जनता के आपके नेतृत्व पर जताए गए भरोसे को दिखाती है।' क़रीब आधे घंटे के बाद इस मैसेज को बंगाली में भी पोस्ट किया गया, जिससे पूरे बांग्लादेश में इसकी गूंज सुनाई दी।

ये संदेश एक ऐसे राजनेता के लिए था, जिन्हें भारत की ओर से लंबे समय से कोई ख़ास तवज्जों नहीं मिलती थी। उनकी बधाई को स्वीकार करने के बावजूद इसे एक कूटनीतिक यू-टर्न के तौर पर देखा जा सकता है। बांग्लादेश के मौजूदा राजनीतिक हालात के मद्देनजर बीएनपी की मज़बूत सरकार फ़िलहाल भारत के लिए सबसे व्यवहारिक रणनीतिक विकल्प है। यही सोच दिल्ली के रुख़ में बदलाव का आधार है। कई लोग ये अनुमान भी लगा रहे हैं कि ताज़ा गर्मजोशी की वजह तारिक़ रहमान के नेतृत्व वाली सरकार के द्विपक्षीय संबंधों के बारे में दिए गए विशेष आश्वासन भी हैं।

बीएनपी के पिछले कार्यकालों में चाहे जो भी उतार-चढ़ाव रहे हों, अब भारत पुराने मतभेदों पर ध्यान दिए बिना आगे बढ़ने को तैयार दिख रहा है। पीएम मोदी के मैसेज से भी ये संकेत मिलता है। हालांकि भारत की ओर से ये संकेत भी दिया जा रहा है कि बांग्लादेश की नई सरकार के साथ बातचीत ख़ास मुद्दों पर आधारित होगी। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने दोहराया है कि बांग्लादेश में किसी भी सरकार के साथ संबंध बांग्लादेश में हिंदुओं पर कथित हमलों की चिंताओं से अछूते नहीं रह सकते। फिर भी इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के अंत और निर्वाचित राजनीतिक सरकार की वापसी का स्वागत करता है।

जब 2014 में मोदी की अगुवाई में बीजेपी ने पहली बार पूर्ण बहुमत हासिल किया, तब बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक़ रहमान लंदन में निर्वासन में रह रहे थे। चूंकि बीजेपी और बीएनपी दोनों ही व्यापक रूप से मध्य-दक्षिणपंथी, राष्ट्रवादी विचारधारा से जुड़े हैं, इसलिए माना जाता है कि उन्हें स्वाभाविक राजनीतिक जुड़ाव की उम्मीद की थी।

इंडियन नेशनल कांग्रेस ऐतिहासिक रूप से अवामी लीग के क़रीबी रही है। उसके सत्ता से जाने के बाद यह उम्मीद स्वाभाविक भी महसूस हुई। नई सरकार के साथ संबंध सुधारने के प्रयासों के तहत रहमान की ओर से पीएम मोदी को गिफ्ट भेजा गया. जिसे बीजेपी के नेता विजय जॉली ने दिल्ली पहुंचाया। इसके बाद अनौपचारिक रूप से भी कई बार संपर्क साधे गए। लेकिन ये कोशिशें कामयाब नहीं हुईं। दिल्ली के कुछ विश्लेषकों का मानना है कि भारतीय ख़ुफ़िया एजेंसियों ने इस मामले में सावधानी बरतने की सलाह दी थी।

ढाका में पूर्व भारतीय उच्चायुक्त पिनाक रंजन चक्रवर्ती के अनुसार 'प्रधानमंत्री हसीना हमारे और बीएनपी के बीच किसी भी संपर्क को लेकर बेहद संवेदनशील थीं। यह संवेदनशीलता एक महत्वपूर्ण वजह थी।' उस दौरान बीएनपी अध्यक्ष ख़ालिदा ज़िया का स्वास्थ्य बिगड़ रहा था और पार्टी की कमान धीरे-धीरे रहमान के हाथों में जा रही थी। चूंकि औपचारिक संपर्क सीमित था, भारत ने थिंक टैंक, रिटायर्ड राजनयिकों और सुरक्षा अधिकारियों के ज़रिए तथाकथित 'ट्रैक टू' चैनल बनाए रखे। पाँच अगस्त 2024 को बांग्लादेश में हुए नाटकीय राजनीतिक परिवर्तन ने दिल्ली के राजनीतिक समीकरण को पूरी तरह से बदल दिया। अवामी लीग के बिना बने हालात में बीएनपी ज़ाहिर तौर भारत की पहली पसंद बन गई। रंजन चक्रवर्ती साल 2008 में ढाका में भारत के उच्चायुक्त थे। चक्रवर्ती कहते हैं, 'ब्रिटेन में 17 साल से ज़्यादा समय बिताने के बाद, उनमें कितना बदलाव आया है, इसका आकलन करना मुश्किल है। लेकिन अगर भारत अब खुलकर संपर्क साध रहा है, प्रधानमंत्री के पत्र, सार्वजनिक बधाई, तो यह माना जा सकता है कि कुछ उचित आश्वासन मिले हैं।' उन आश्वासनों का क्या मतलब है, इस पर अभी सिर्फ़ अटकलें लगाई जा सकती हैं। लेकिन दिल्ली में कई लोगों का मानना है कि बीएनपी की ओर से खुले तौर पर भारत-विरोधी बयानबाज़ी पर लौटने की आशंका नहीं है।

पार्टी अपनी विदेश नीति को 'बांग्लादेश फर्स्ट के रूप में पेश करती है। लेकिन रहमान ने हाल के भाषणों में भारत पर सीधे और तीखे हमले करने से परहेज किया है। इसे भारत सकारात्मक रुख़ के रूप में देखता है। दिल्ली स्थित मनोहर पर्रिकर इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस फेलो स्मृति पटनायक एक और कारण बताती हैं। वह कहती हैं, भावी बीएनपी सरकार शेख़ हसीना के भारत से प्रत्यर्पण की मांग को शायद आक्रामक रूप से आगे न बढ़ाए। मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने इसे एक बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश की थी। बीएनपी शायद इसे दिल्ली के साथ व्यापक बातचीत में बाधा बनने नहीं देगी।'

बीते 18 महीनों में भारत ने बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों के ख़िलाफ़ कथित हिंसा पर बार-बार चिंता जताई है। यह मुद्दा अंतरिम सरकार के साथ संबंधों में तनाव का कारण बना रहा। बांग्लादेश ने इन दावों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया या राजनीतिक रूप से प्रेरित बताकर ख़ारिज किया। लेकिन भारत अपने रुख़ पर कायम रहा। बीएनपी की सरकार अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के मुद्दे को कैसे संभालती है, यह महत्वपूर्ण होगा। पश्चिम बंगाल में बीजेपी प्रवक्ता देबजीत सरकार कहते हैं कि बांग्लादेश में सत्ताधारी पार्टी से ज़्यादा ज़मीनी हक़ीक़त में सुधार ज़्यादा मायने रखता है नई सरकार से अधिक मानवीय दृष्टिकोण की उम्मीद जताते हुए भी वह ठोस बदलाव को लेकर संशय में ही हैं।

पश्चिम बंगाल के कुछ विश्लेषकों का मानना है कि मतदाताओं के बीच इस मुद्दे की प्रासंगिकता को देखते हुए, यह कम से कम राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों के समापन तक राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बना रहेगा। हालांकि क्षेत्रीय बयानबाज़ी भले ही कैसी हो, लेकिन नई दिल्ली में माहौल कहीं अधिक सकारात्मक है। बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया है। इसका तर्क सीधा है। बांग्लादेश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति में तारिक़ रहमान भारत के लिए सबसे अच्छा विकल्प हैं- और संभवतः एकमात्र विकल्प भी।

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

हमने सुधार को पूरी प्रतिबद्धता के साथ लागू किया : पीएम मोदी

यह बजट 'हम तैयार हैं' वाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मीडिया को दिए एक विशेष इंटरव्यू में कहा कि उनकी सरकार ने सुधार को पूरी प्रतिबद्धता के साथ लागू किया है और यह सिर्फ बातों तक नहीं बल्कि काम में भी दिखा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस साल का बजट भारत के विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षा को दर्शाता है। उनके मुताबिक यह बजट किसी मजबूरी में लिया गया 'अब या कभी नहीं' जैसा फैसला नहीं है, बल्कि यह देश की तैयारी और आत्मविश्वास का संकेत है- यानी 'हम तैयार हैं' वाला बजट है।

निवेश और व्यापार समझौतों पर बयान

पीएम मोदी ने कहा कि राजनीतिक स्थिरता और नीति की स्पष्टता से निवेशकों का भरोसा भारत में बढ़ा है। इसी कारण भारत अब मजबूत स्थिति में व्यापार समझौते कर रहा है। उन्होंने बताया कि देश ने 38 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) किए हैं। उन्होंने कहा कि मजबूत मैन्युफैक्चरिंग, सेवाओं का क्षेत्र और एमएसएमई सेक्टर ने भारत को वैश्विक व्यापार वार्ताओं में ताकत दी है।

एमएसएमई और निर्यात पर जोर

प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान बताया कि भारत के एफटीए खास तौर पर छोटे और मध्यम उद्योगों के लिए बनाए गए हैं ताकि टेक्सटाइल, लेदर, केमिकल, हस्तशिल्प, जेम्स-ज्वेलरी जैसे क्षेत्रों को ज्यादा विदेशी बाजार मिल सके।

रक्षा क्षेत्र पर सरकार का रुख

पीएम मोदी ने कहा कि सरकार देश की सुरक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगी। उन्होंने रक्षा बजट में बढ़ोतरी का जिक्र करते हुए कहा कि मौजूदा जरूरतों के अनुसार रक्षा क्षेत्र का आधुनिकीकरण करना सरकार की जिम्मेदारी है।

यूपीए की पूर्ववर्ती सरकार पर हमला

पीएम मोदी ने आगे कहा है कि यूपीए सरकार के दौर में आर्थिक कुप्रबंधन की वजह से भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर आत्मविश्वास के साथ बातचीत नहीं कर पाता था। उन्होंने कहा कि उस समय अक्सर बातचीत शुरू होती थी लेकिन ठोस नतीजे नहीं निकलते थे और लंबे-लंबे समझौते भी बिना खास उपलब्धि के खत्म हो जाते थे।

फोटो : प्रवीण वाजपेई

सीएम यादव ने शिव भक्तों के साथ मनाया महाशिवरात्रि पर्व

भोपाल के प्राचीन बड़वाले महादेव मंदिर पहुंचकर की पूजा-अर्चना, शिव बारात में शामिल होकर रथ भी खींचा

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर भोपाल के प्राचीन बड़वाले महादेव मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने नागरिकों को महाशिवरात्रि की बधाई देते हुए सभी के साथ महाशिवरात्रि पर्व मनाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान शिव की पूजा अर्चना कर अभिषेक किया। वे महाशिवरात्रि पर्व पर शिवभक्तगणों के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए। पुलिस बैंड के सदस्यों सहित अनेक युवाओं ने डमरू दल के साथ पारम्परिक प्रस्तुति दी।

शिव बारात का रथ खींचा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शिव बारात को रवाना किया और बारात का रथ भी खींचा। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकगण उत्साह, उमंग से बारात में शामिल हुए। इस दौरान हर-हर महादेव और जय महाकाल के सामूहिक स्वर से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा। महाशिवरात्रि के कार्यक्रम और शिव बारात में अनेक जनप्रतिनिधि और शिव भक्त भी शामिल हुए। इनमें सांसद श्री आलोक शर्मा, भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक श्री भगवानदास सबनानी, श्री रविंद्र यति, श्री राहुल कोठारी सहित महाशिवरात्रि पर्व आयोजन समिति के पदाधिकारी और सदस्य शामिल हैं।

शरद की सुबह

अंगारों को हवा देते हैं

हम आपको पता देते हैं
जो अंगारों को हवा देते हैं

पूछने आए तासीर हमारी
जाते हुए हाथ हिला देते हैं

नदियों के प्यासे हलक को
दो घूंट सब्र का पिला देते हैं

हंसने को कहें हैं जमाने में
वे हमारा कार्टून बना देते हैं

अब किसकी हम बात करें
अपने ही जहर खिला देते हैं।

- अरूण सातले

विधानसभा का शीतकालीन सत्र आज से, हंगामेदार होने के आसार

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश की 16वीं विधानसभा का शीतकालीन सत्र आज सोमवार से शुरू हो रहा है। पांच दिसंबर तक चलने वाले सत्र में चार बैठकें होंगी। इसमें अनुपूरक बजट समेत चार विधेयक लाए जा सकते हैं। सत्र की कम अवधि को लेकर मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने असंतोष जताया है। साथ ही सरकार को घेरने की रणनीति तैयार की है। इसीलिए सत्र के हंगामेदार रहने के आसार हैं।

मध्य प्रदेश की 16वीं विधानसभा का यह सातवां सत्र होगा। इस सत्र की अधिसूचना जारी होने से अब तक विधानसभा सचिवालय में तारांकित पश्न 751 एवं अतारांकित प्रश्न 746 कुल 1497 प्रश्नों की सूचनाएं प्राप्त हुई हैं, जबकि ध्यानाकर्षण की 194, स्थगन प्रस्ताव की 06,अशासकीय संकल्प की 14,शून्यकाल की 52, नियम -139 की 02 सूचनाएं, 15 याचिकाएं प्राप्त हुई हैं। शासकीय विधेयक भी 02 प्राप्त हुए हैं।

17 को बांग्लादेश में रहमान के शपथ समारोह में पीएम मोदी नहीं जाएंगे

- इसी दिन पीएम की फ्रांसीसी राष्ट्रपति से मुलाकात, स्पीकर ओम बिरला ढाका जा सकते हैं

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के चेयरमैन तारीक रहमान 17 फरवरी को देश के नए प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह परंपरा से अलग इस बार राष्ट्रपति भवन की जगह ढाका के नेशनल पार्लियामेंट कॉम्प्लेक्स के साउथ प्लाजा में होगा। ढाका ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं को इस समारोह में शामिल होने के लिए निमंत्रण भेजा है।

बांग्लादेश के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में भारत की तरफ से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला प्रतिनिधित्व करेंगे। यह जानकारी भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से साझा की गई है। इससे पहले कयास लगाए जा रहे थे कि पीएम मोदी बीएनपी अध्यक्ष के शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए पड़ोसी देश का दौरा कर सकते हैं। लेकिन भारत में एआई इम्पैक्ट समिट के आयोजन और कई देशों के गणमान्य अतिथियों के आगमन समेत अन्य प्रस्तावित कार्यक्रम में व्यस्तता के कारण पीएम मोदी बांग्लादेश नहीं जा सकते हैं। पीएम मोदी का 17 फरवरी को मुंबई में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बैठक का कार्यक्रम पहले से तय है।भारत की तरफ से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तारिक के शपथ शामिल होंगे। उनके साथ विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री भी रहेंगे।

मप्र,उप्र, राजस्थान में दो दिन बाद बारिश का अलर्ट

नईदिल्ली/लखनऊ/भोपाल/जयपुर/रायपुर/देहरादून (एजेंसी)। देश के हिमालयी इलाकों में 16 फरवरी तक दो वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हैं। 17 फरवरी से हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में पहाड़ों पर बारिश-बर्फबारी के आसार हैं। वहीं मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में दिन का तापमान 30 डिग्री पार हो चुका है। राजस्थान के कई जिलों में तापमान 35 डिग्री पर पहुंच गया है।

तमिलनाडु के तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेन्नई, कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ और उडुपी, महाराष्ट्र के रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग में घना कोहरा छाया हुआ है। मध्य प्रदेश के कई शहरों में दिन का तापमान बढ़ गया है। राज्य में कल से मौसम बदल सकता है।

उत्तर प्रदेश के कई शहरों में पारा 30 डिग्री के पार हो चुका है। छत्तीसगढ़ में औसत तापमान में 2 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई। राजस्थान के जयपुर, बीकानेर संभाग जिलों में 17-18 फरवरी को बारिश हो सकती है। दिल्ली का एक्यूआई खराब स्तर पर पहुंच गया है। एनसीआर में औसत तापमान 11 डिग्री दर्ज किया गया।

टी-20 वर्ल्डकप में भारत की पाकिस्तान पर सबसे बड़ी जीत

176 चेज कर रही पाक टीम 114 पर ऑलआउट, ईशान ने 40 बॉल पर 77 रन बनाए

कोलंबो (एजेंसी)। भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को 61 रनों से हरा दिया है। टूर्नामेंट के इतिहास में यह भारत की पाकिस्तान पर रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है। टीम इंडिया लगातार 3 जीत के साथ ग्रुप ए की पॉइंट्स टेबल के टॉप पर है। रविवार को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में 176 रन का टारगेट चेज कर रही पाकिस्तानी टीम 18 ओवर में 114 रन पर ऑलआउट हो गई। उस्मान खान ने सबसे ज्यादा 44 रन बनाए। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती और हार्दिक पंड्या ने 2-2 विकेट झटके। इससे पहले टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 175 रन बनाए। ईशान किशन ने 40 बॉल पर 77 रन की पारी खेली। इशान की पारी में 10 चौके और 3 छक्के शामिल हैं। कप्तान सूर्यकुमार ने 32 रन बनाए। सईम अयूब ने 3 विकेट लिए।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 20 °c | न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ सोमवार, 16 फरवरी 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

ओवैसी बोले-वंदे मातरम् वफादारी का टेस्ट ना बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि वंदे मातरम् गाना और इसको सम्मान देना देश से वफादारी का टेस्ट ना माना जाए। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भारत को एक धार्मिक देश बनाना चाहते हैं। मीडिया को दिए इंटरव्यू में ओवैसी ने कहा कि

संविधान 'हम लोग' से शुरू होता है, 'भारत माता की जय' जैसे नारों से नहीं। उन्होंने कहा कि आर्टिकल 25 धर्म की आजादी के बुनियादी अधिकार की गारंटी देता है।

दरअसल, केंद्र सरकार ने 12 फरवरी को एक आदेश जारी कर राष्ट्रगीत वंदे मातरम् को राष्ट्रगान जन गण मन की तरह ही सम्मान देना अनिवार्य कर दिया है। आदेश के मुताबिक राष्ट्रगीत के सभी 6 अंतरे गाए जाएंगे, जिनकी कुल अवधि 3 मिनट 10 सेकेंड है। अब तक मूल गीत के पहले दो अंतरे ही गाए जाते थे।वीर सावरकर को भारत रत्न देने की मांग की आलोचना करते हुए कहा कि जस्टिस कपूर कमीशन ने सावरकर को महात्मा गांधी की हत्या का साजिशकर्ता बताया था।

सुरक्षा एजेंसियों ने जम्मू-कश्मीर में 8000 से ज्यादा म्यूल अकाउंट्स फ्रीज किए

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियों ने फर्जी खातों (म्यूल अकाउंट्स) का बड़ा नेटवर्क पकड़ा है। इन खातों का इस्तेमाल आतंकी साजिश और टेरर फंडिंग के लिए होता था। एजेंसी ने तीन साल में 8000 से ज्यादा ऐसे अकाउंट्स फ्रीज किए हैं। इन खातों से मनी लॉन्ड्रिंग और फाइनेंशियल फ्रॉड भी होता था। ये अकाउंट अक्सर अनजान लोगों के होते हैं, जिन्हें आसान कमीशन और कम से कम रिस्क का भरोसा देकर लालच दिया जाता था। उन्हें अकाउंट को कुछ समय के लिए पार्किंग अकाउंट के तौर पर इस्तेमाल करने के बहाने अपने बैंकिंग क्रेडेंशियल का पूरा एक्सेस देने के लिए मनाया जाता है।

दिल्ली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग के तीन शूटर्स को गिरफ्तार किया

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के बवाना इलाके में दिल्ली पुलिस और लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े शूटर्स के बीच मुठभेड़ हुई। इसके बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, यह तीनों शूटर्स लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े थे। वे बवाना-मुंडका नहर क्षेत्र में थे। सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की। जब टीम ने उन्हें रोका तो आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी फायरिंग कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों से हथियार भी बरामद किए हैं।

मंड्या में केमिकल फैक्ट्री के टैंक में धमाका; दो की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के मंड्या तालुका में रविवार को एक केमिकल फैक्ट्री में बड़ा हादसा हो गया। किरती केमिकल्स इंडस्ट्रीज में केमिकल स्टोरेज टैंक फट गया। इसमें दो लोगों की मौत हो गई। हादसा करेकटे गांव के पास हुआ। टैंक का कैप गैस कटर से खोला जा रहा था। तभी अचानक धमाका हो गया।

मुंबई में बनी देश की पहली सुरीली सड़क

गाड़ी गुजरने पर बजता है 'जय हो' गाना

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में देश की पहली सुरीली सड़क यानी कि म्यूजिकल रोड बनी है। इस रोड पर जब गाड़ी चलेगी तो शोर की जगह जय हो गाने की धुन सुनाई देगी। नरीमन पॉइंट से वर्ली को जोड़ने वाली नॉर्थबाउंड कोस्टल रोड पर यह करिश्मा होते देखा और सुना जा सकता है। सड़क के 500 मीटर के हिस्से पर जब 60-80 किमी/घंटा की रफ्तार से गाड़ी चलती है, तो फिल्म स्लमडॉग मिलियनेयर का ऑस्कर विनिंग सॉन्ग 'जय हो' गूंजने लगता है। इस अनोखी सड़क के पीछे की टेक्नोलॉजी भी इतनी ही अनोखी है क्योंकि इसमें किसी तरह का स्पीकर या इलेक्ट्रिक ताम-झाम नहीं लगा है। गाने वाली इस सड़क पर लगाए गई खास तरह की रबर स्ट्रिप्स और गाड़ी की रफ्तार मिलकर संगीत पैदा करती हैं।

गाड़ी की सही रफ्तार भी है टेक्नोलॉजी का हिस्सा

रिपोर्ट्स के मुताबिक, म्यूजिकल सड़क की टेक्नोलॉजी में आवाज की फ्रीक्वेंसी पूरी तरह से खांचों के बीच की दूरी पर निर्भर करती है। टायर और खांचे के बीच तेज टकराव हाई-फ्रीक्वेंसी पर आवाज पैदा करता है। ऐसे में अगर गाड़ी की स्पीड सही हो, तो आपको जय हो गाने की धुन साफ सुनाई देती है। कहने का मतलब है कि म्यूजिकल सड़क की टेक्नोलॉजी का एक हिस्सा गाड़ी की सही रफ्तार भी है। सुरीली सड़क का यह जादुई अनुभव टनल से बाहर निकलते ही शुरू हो जाता है, जिसके लिए सड़क पर खास संकेत भी लगाए गए हैं।

सुरीली सड़क के पीछे की टेक्नोलॉजी

देश की पहली म्यूजिकल सड़क के पीछे किसी तरह का इलेक्ट्रॉनिक ताम-झाम जिम्मेवार नहीं है। असल में इस सड़क पर रंबल स्ट्रिप्स का इस्तेमाल किया गया है। इन्हें एक तय दूरी और गहराई के साथ बनाया जाता है। इन रबर की रंबल स्ट्रिप्स पर से जब गाड़ी एक तय गति पर गुजरती है, तो पैदा होने वाले घर्षण और कंपन से ही म्यूजिक पैदा होता है। कहने का मतलब है कि सिर्फ रबर की स्ट्रिप्स के ऊपर से गाड़ी के जाने पर होने वाला शोर ही गाने की धुन में तबदील हो जाता है। गौर करने वाली बात है कि रंबल स्ट्रिप्स को एक निश्चित गहराई और दूरी पर काटा गया है, ताकि इन पर से निकलने वाली गाड़ी का शोर म्यूजिक सा सुनाई दे।

राहुल बोले-ट्रेड डील में किसानों के साथ धोखा हो रहा

- पीएम मोदी से किए सवाल, शाह बोले- राहुल झूठ फैला रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रविवार को भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी से पांच सवाल किए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस डील के नाम पर भारतीय किसानों के साथ विश्वासघात हो रहा है। गांधी ने कहा कि यह मुद्दा देश की कृषि के भविष्य से जुड़ा है। उन्होंने

पीएम मोदी से सवाल करते हुए लिखा कि किसानों को जवाब तो मिलने ही चाहिए। यह सिर्फ आज की बात नहीं है। ये भविष्य की भी बात है। क्या हम किसी दूसरे देश को भारत की कृषि उद्योग पर लंबे समय की पकड़ बनाने दे रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट 5 सवाल किए- ड्राइड डिस्टिलर्स ग्रेन्स (डीडीजी) इम्पोर्ट करने का क्या मतलब है? क्या इसका मतलब यह है कि भारतीय जानवरों को जीएम अमेरिकी मक्का से बने डिस्टिलर अनाज (चारा) खिलाए जाएंगे? क्या इससे हमारे डेयरी प्रोडक्ट प्रभावी रूप से अमेरिकी कृषि उद्योग पर निर्भर नहीं हो जाएंगे?

महाशिवरात्रि महापर्व पर शिवालयों में लगी थीं लंबी -लंबी कतारें

काशी में 10 लाख से ज्यादा तो महाकाल मंदिर में 3 लाख 30 हजार श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे

वाराणसी/उज्जैन (एजेंसी)। गले में नरमुंडों की माला, सिर से निकलते आग के गोले और पूरे शरीर पर चिता की राख। यह नजारा शिव बारात में दिख रहा था। 'भूत-पिशाच' बने कलाकारों ने हैरतअंगेज करतब

- शिव बारात में गले में नर-मुंड, सिर से निकले आग के गोले, भूत-पिचाश बने कलाकारों ने किए हैरतअंगेज कारनामे

दिखा जा रहे थे। ऐसा ही दृश्य काशी -महाकाल में भी देखने को मिला। शिव बारात में करीब 20 हजार लोग शामिल हुए। दूल्हा बने भगवान शिव बारात लेकर निकले तो चारों तरफ हर-हर महादेव के नारे गूंज उठे।

300 कलाकार देवी-देवता और बराती बने थे। कोई घोड़े-ऊंट पर सवार था तो कोई मदारी और भूत-पिशाच के रूप में दिखा। मां काली बनी कलाकार ने रौद्र रूप दिखाया। नागा संन्यासी चिलम फूंकते नजर आए और भालू बने कलाकार ने जमकर नृत्य किया। एक बच्चा शिव रूप में नजर आया। हाथ में त्रिशूल और गले में रुद्राक्ष की माला। शिव बारात तिलभांडेश्वर मंदिर से शुरू होकर करीब 5 किमी दूर डेवड़ियाबीर तक गई।

महाशिवरात्रि पर काशी में 10 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे। काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा का दूल्हे जैसा श्रृंगार किया गया। मोरपंख और रुद्राक्ष की माला पहनाई गई। कपाट खुलते ही दर्शन शुरू हुए। अब तक 5 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। दर्शन के लिए सिर्फ 2 सेकेंड का समय मिल रहा है।

महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं की खासी भीड़

महाशिवरात्रि पर्व पर उज्जैन में अब तक तक 3 लाख 30 हजार श्रद्धालु भगवान महाकाल के दर्शन कर चुके हैं। रविवार होने के कारण भीड़ तेजी से बढ़ रही है। होटल, लॉज और होम-स्टे पहले ही फुल हो चुके हैं। आज 10 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। मध्य रात्रि 2:30 बजे मंदिर के पट खोले गए। प्रथम घंटाल बजाकर मंदिर में प्रवेश किया गया। मंत्रोच्चार के साथ गर्भगृह में स्थापित सभी प्रतिमाओं का पूजन कर हरिओम का जल अर्पित हुआ। कपूर आरती के बाद पंडे-पुजारियों ने जलाभिषेक किया। फिर दूध, दही, घी, शकर और फलों के रस से बने पंचामृत से पूजन किया गया। महाकाल को भांग, चंदन और त्रिपुंड अर्पित कर राजा स्वरूप श्रृंगार किया गया। इसके बाद ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई। शेषनाग का रजत मुकुट, रजत की मुंडमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ-साथ मोगरे और गुलाब से बनी फूलों की माला अर्पित की गई। तड़के हुई भस्म आरती में प्रवेश पासधारी श्रद्धालुओं के साथ-साथ चलित भस्म आरती के दर्शन भी कराए गए। महाकाल मंदिर समिति का दावा है कि पर्व के दौरान औसतन 40 मिनट में दर्शन कराए जा रहे हैं।

एसआईआर खत्म होते ही हटेंगे कई कलेक्टर

इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, शहडोल कलेक्टर बदलेंगे, धार डीएम को मिल सकता है बड़ा जिला

भोपाल (नप्र)। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) का काम पूरा होते ही प्रदेश में प्रशासनिक स्तर पर बड़े बदलाव की संभावना है। इसके तहत इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा, भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, ग्वालियर कलेक्टर रुचिका चौहान समेत कई जिलों के कलेक्टर बदले जा सकते हैं। कलेक्टरों को हटाए जाने के पीछे प्रशासनिक लापरवाही, पदोन्नति और तीन साल का कार्यकाल पूरा होना मुख्य वजह बताई जा रही है।

हालांकि, इस दौरान विधानसभा का बजट सत्र भी जारी रहेगा, लेकिन माना जा रहा है कि सरकार अफसरों को हटाए जाने के तुरंत बाद नए पदस्थ अधिकारियों की जॉइनिंग की प्रक्रिया भी तेजी से पूरी कराएगी। एक मई से प्रस्तावित जनगणना के पहले इन बदलावों को जरूरी माना जा रहा है।

9 सितंबर 2025 को इंदौर कलेक्टर बनाए जाने से पहले शिवम वर्मा इंदौर नगर निगम के आयुक्त रहे थे। भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई 35 मौतों के मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तत्कालीन निगम आयुक्त दिलीप यादव को हटा दिया था। हालांकि इंदौर के जनप्रतिनिधियों और नौकरशाहों का मानना है कि इस पूरे मामले की वास्तविक जिम्मेदारी उस समय प्रशासन संभाल रहे शिवम वर्मा की भी थी। ऐसे में एसआईआर के चलते अब तक बचे रहे शिवम वर्मा को हटाने का फैसला सरकार ले सकती है।

कुछ ऐसी ही स्थिति ग्वालियर कलेक्टर रुचिका चौहान के मामले में भी बताई जा रही है। ग्वालियर में पिछले महीने एक मामले में प्रशासनिक लापरवाही के लिए कलेक्टर को जिम्मेदार माना गया था। इसलिए उनके तबादले की भी संभावना जताई जा रही है। चौहान 11 मार्च 2024 से, लोकसभा चुनाव से पहले, यहां पदस्थ हैं।

रामभद्राचार्य बोले- अगली बार धीरेंद्र शास्त्री की शादी में आऊंगा

छतरपुर के बागेश्वर धाम में 305 बेटियों का विवाह, संतों के साथ 9 देशों के राजदूत मौजूद थे

खजुराहो (नप्र)। छतरपुर के बागेश्वर धाम में महाशिवरात्रि पर रविवार को 305 जोड़ों के विवाह की रस्में चल रही हैं। अब से कुछ देर बाद फेरे होंगे। फिर विदाई के साथ इस तीन दिवसीय सामूहिक विवाह समारोह का समापन होगा।

जब पंडित धीरेंद्र शास्त्री से लिपटकर खूब रोए नव वर-वधू- इससे पहले वरमाला के लिए दूल्हा-दुल्हन को 30-30 की संख्या में मंच पर बुलाया गया। पं. धीरेंद्र शास्त्री ने सभी जोड़ों से मुलाकात की। एक दूल्हा शास्त्री के पैरों में गिर गया। भावुक होकर आशीर्वाद लिया। वहीं, दूसरे दूल्हा-दुल्हन बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर के गले लगकर रोने लगे।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा- इस बार मैं 305 बेटियों की शादी में आया हूं। 29 जून से 13 जनवरी तक एकांतवास में रहूंगा। लगता है कि अगले साल मैं धीरेंद्र शास्त्री की शादी में आऊंगा।

नेपाली जोड़े ने भी लिए सात फेरे

सामूहिक विवाह समारोह में एक नेपाली जोड़ा भी शादी कर रहा है। नेपाली और भारतीय दोनों रीति-रिवाजों से रस्में हो रही है, जिसमें दोनों तरफ के पुजारी मौजूद हैं। नेपाल से आए 50 बाराती भी इस विवाह के साक्षी बन रहे हैं।

कार्यक्रम में रामभद्राचार्य जी महाराज के साथ इंद्रेश उपाध्याय, अनिरुद्धाचार्य, हनुमान गढ़ी के राजूदास महाराज और दूसरे संत भी मौजूद हैं। अर्जेंटीना, चिली, पेरू, उरुग्वे, इक्वाडोर, कोलंबिया, पनामा, भारत और दक्षिण अफ्रीका के राजदूत भी शामिल हो रहे हैं। महाराष्ट्र की अमरावती लोकसभा सीट से सांसद नवनीत कौर राणा ने सभी जोड़ों को 11-11 हजार रुपए की राशि दी। बागेश्वर धाम की तरफ से इस आयोजन का यह लगातार सातवां साल है।

नेपाल से 50 बाराती आए, दूल्हे ने कहा-बहुत अच्छी व्यवस्था है

बाबा बागेश्वर में एक नेपाली जोड़ा भी शादी कर रहा है। शादी नेपाली और भारतीय दोनों रीति-रिवाजों से हो रही है, जिसमें दोनों तरफ के पुजारी मौजूद हैं। नेपाली दूल्हा अपने साथ नेपाल से 50 बारातियों को लाया है। दूल्हे ने कहा कि जितपुर से आए हैं। बागेश्वर धाम में अच्छी व्यवस्था की गई है।

सामूहिक विवाह समारोह में 9 देशों के राजदूत शामिल

सामूहिक विवाह समारोह में नौ देशों के राजदूत शामिल हुए। इनमें उरुग्वे के अल्बर्टो एंटोनियो गुआनी अमरिला, अर्जेंटीना के मारियानो अगस्टिन कजिनो, पैराग्वे के फ्लेमिंग राउल डुआर्टे रामोस, इक्वाडोर के फर्नांडो एक्स. बुचेली वर्गास, चिली की वर्जीनिया पेट्रीसिया एन व्रीस, पेरू के जेवियर मैनुअल पॉलिनिच वेलार्डे, अल साल्वाडोर के गुइलेर्मो रुबियो फ्यूनेस, पनामा के अलोंसो कोरेया मिगुएल, सूरीनाम की सुनैना परीक्षा रागनीदेवी मोहन शामिल हुए हैं। सभी देशों के राजदूत मंच पर मौजूद हैं।

अगली बार हम 1001 लड़कियों की शादी करेंगे

जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि इस बार मैं इस शादी के लिए आया हूं। अब मैं 29 जून से 13 जनवरी तक एकांतवास में जा रहा हूं। मुझे लगता है कि अगले साल जब मैं आऊंगा, तो धीरेंद्र शास्त्री की शादी में आऊंगा। अगली बार हम 1001 लड़कियों की शादी करेंगे। दुआ करें कि अगली बार मैं जब आऊं, तो एक रिश्तेदार के तौर पर आऊं।

शूटर का शॉर्ट एनकाउंटर; वकील हत्याकांड का आरोपी था

शिवपुरी पुलिस पर फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में लगी 2 गोलियां; फिरौती लेकर हत्या, 3 शूटर गिरफ्तार

शिवपुरी (नप्र)। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में वकील संजय कुमार सक्सेना (57) की गोली मारकर हत्या करने वाले 3 शूटर को पुलिस ने अरेस्ट किया है। गिरफ्तारी के दौरान सुबह-सुबह एक शूटर से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। शूटर ने पुलिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

इस दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में शूटर के पैर में 2 गोलियां लगी। शॉर्ट एनकाउंटर के बाद पुलिस ने शूटर पपेंद्र रावत को गिरफ्तार किया। घटना करैरा थाना क्षेत्र के चिरली तिराहा के पास की है।

जानकारी के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपियों में बड़ौनी के घुघसी निवासी गोलू रावत (25), डबरा के चांदपुर निवासी पपेंद्र रावत (23) और बड़ौनी के घुघसी निवासी जहीर मुसलमान (24) शामिल हैं। आरोपी गोली रावत ने शनिवार को कट्टे से पीठ पर गोली मारी थी। एक गोली लगने से वकील की जान गई थी। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ ने बताया कि वारदात के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गई थी। संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही थी। रविवार सुबह चिरली तिराहा के पास आरोपियों के छिपे होने की सूचना मिली।

शिवपुरी के वकील की हत्या के विरोध में मप्र में आज न्यायालीन कार्य से अलग रहेंगे अधिवक्ता

शिवपुरी में अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना की शनिवार को दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना को लेकर प्रदेश भर के अधिवक्ताओं ने निंदा की है। स्टेट बार काउंसिल ऑफ मध्यप्रदेश और मध्यप्रदेश हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने 16 फरवरी को न्यायालयीन कार्य से विरत (पैरवी से अलग रहने) का निर्णय लिया है।

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट बार ने चीफ जस्टिस को पत्र लिखते हुए निवेदन किया है कि लिस्टेड प्रकरणों को अधिवक्ताओं की अनुपस्थिति में खारिज न किया जाए। साथ ही कोई भी विपरीत आदेश पारित न किए जाएँ। सोमवार को लिस्टेड मामलों को अगले दिनांक को नॉट रीच किया जाए। स्टेट बार काउंसिल ऑफ मध्यप्रदेश का कहना है कि लगातार वकीलों के साथ हो रही घटनाओं को लेकर प्रदेश के अधिवक्ता अपने आप को असहाय महसूस कर रहे हैं। यह अत्यंत चिंता का विषय है।

वंदे मातरम् पर जमीअत ने कहा- जबरदस्ती ठीक नहीं

मुल्क से मोहब्बत ईमान, लेकिन इबादत सिर्फ अल्लाह की; हिंदी में बने नया राष्ट्रगीत

भोपाल (नप्र)। जमीअत उलेमा मध्यप्रदेश के अध्यक्ष हाजी मोहम्मद हारून ने वंदे मातरम् गीत को लेकर आपत्ति दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् गीत पर शुरू से ही आपत्तियां हैं। मुसलमानों की तरफ से हमेशा इस पर ऐतराज किया गया है।

इसके छंद पर मुल्क से मोहब्बत करना हमारा ईमान है। हम मुल्क से मोहब्बत करते हैं, प्यार करते हैं, प्रेम करते हैं। हम अपने मां-बाप से मोहब्बत करते हैं, प्यार करते हैं, प्रेम करते हैं। क्योंकि प्रेम करने में और पूजने में जमीन आसमान का फर्क है।

हम चाहते हैं कि ये जो पूजनीय लफ्ज है, हम अल्लाह, एक ईश्वर, एक गॉड, एक अल्लाह के अलावा किसी को भी इबादत नहीं करते और यह पूरी दुनिया अच्छी तरह जानती है कि मजहब इस्लाम का क्या मौकफ है। मुसलमानों का क्या मौकफ है और भारत के संविधान ने हमको क्या

आजादी दी हुई है। ये भारत सरकार और प्रदेश सरकार भी अच्छी तरह जानती है। जबरदस्ती करने की कोशिश की जाती है। अब भी कानून तो नहीं बनाया है, बस ऑर्डर निकालते रहते हैं।

जमीअत उलेमा मध्यप्रदेश के अध्यक्ष हाजी मोहम्मद उन्होंने कहा, सूरते हाल ये है कि बड़े-बड़े लोग वंदे मातरम् के मतलब को नहीं समझते, जन गण मन के मतलब को नहीं समझते। यहां के एक बड़े जिम्मेदार से पत्रकार ने पूछा कि वंदे मातरम् सुनाओ तो वो नहीं सुना पाए। तो मेरा यहां में मुतालबा है कि भारत सरकार को गौर करना चाहिए कि ये बंगाली भाषा के गीत हैं और भारत में हिंदी भाषा पूरे भारत में बोली जाती है। ज्यादातर लोग हिंदी भाषा बोलते हैं। तो एक बेहतरीन गीत का नवनिर्माण भारत के लिए करना चाहिए, ताकि सब लोगों को कुबूल हो और हिंदी में हो। एक बड़ी उच्च स्तरीय कमेटी बनाना चाहिए। बड़े-बड़े विद्वानों को, शायरों को, कवियों को शामिल करके एक अच्छा गीत लिखा जाना चाहिए।

सारे जहां से अच्छा की तरह सर्वमान्य गीत बने

हाजी मोहम्मद हारून ने कहा, जैसे अल्लामा इकबाल ने गीत लिखा था, सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा, ये गीत भी आज भारत में गाया जाता है, बजाया जाता है, फौज के अंदर गाया जाता है और भारत के हर कोने पे ये गीत बजाया जाता है। या तो इस गीत को भारत का गीत मान लिया जाए या कोई और गीत ऐसा बनाया जाए, क्योंकि यह जो दोनों गीत है, यह हमारी समझ में नहीं आते।

बहुत सारे हिंदू भाइयों की भी समझ में नहीं आते। तो मैं तो यहां ये मुतालबा करूंगा कि कोई अभी भी पढ़े-लिखे लोगों की कमी नहीं है। जब कंट्रोवर्सी है इस गीत पर, इस गीत पे बहुत सारे लोगों का ऐतराज है, भारत के संविधान ने जो हमें आजादी दी है या उसके भी खिलाफ है, तो हमारा मुतालबा है कि जबरदस्ती किसी पे किया जाए। जो पढ़ना चाहते हैं पढ़े और जो नहीं पढ़ना चाहते हैं ना पढ़े। एक अच्छे गीत के नवनिर्माण होना चाहिए।

महाशिवरात्रि पर देश की पहली किन्नर शंकराचार्य का पट्टाभिषेक

सम्मेलन में 4 जगद्गुरु और 5 महामंडलेश्वरों की घोषणा, भोपाल में 60 धर्मांतरित किन्नरों की घर वापसी

भोपाल (नप्र)। महाशिवरात्रि के अवसर पर रविवार को राजधानी भोपाल में किन्नर धर्म सम्मेलन आयोजित हुआ। आयोजन में देश की पहली किन्नर शंकराचार्य के रूप में हिमांगी सखी का पट्टाभिषेक किया गया। आयोजकों के अनुसार राजस्थान के पुष्कर पीठ का चयन देश की पहली किन्नर

शंकराचार्य पीठ के रूप में किया गया है। कार्यक्रम में किन्नर अखाड़े के संस्थापक ऋषि अजय दास की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यह घोषणा की गई। आयोजन के दौरान बड़ी संख्या में किन्नर समुदाय के प्रतिनिधि, संत-महात्मा और विभिन्न राज्यों से आए अनुयायी मौजूद रहे।

60 धर्मांतरित किन्नरों की 'घर वापसी' का दावा

आयोजकों ने सम्मेलन के दौरान धर्म परिवर्तन कर चुके 60 किन्नरों की 'घर वापसी' कराए जाने का भी दावा किया। मंच से कहा गया कि मुस्लिम बने कुछ किन्नरों ने शुद्धिकरण की प्रक्रिया के साथ पुनः हिंदू धर्म स्वीकार किया। हालांकि प्रशासनिक स्तर पर इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

4 जगद्गुरु और 5 महामंडलेश्वर घोषित

सम्मेलन में किन्नर परंपरा के अंतर्गत 4 जगद्गुरुओं और 5 महामंडलेश्वरों की घोषणा भी की गई।

किन्नर शंकराचार्य का पुष्कर पीठ होगा

देश की पहली किन्नर शंकराचार्य हिमांगी सखी मां वैष्णो किन्नर अखाड़ा की प्रमुख हैं और किन्नर समाज की धार्मिक नेतृत्वकर्ता के रूप में जानी जाती हैं। वे पहली किन्नर भागवत कथा वाचक भी हैं।

मूल रूप से मुंबई से संबंध रखने वाली हिमांगी सखी मां का वर्तमान पीठ पुष्कर होगा। वे इसके पहले महामंडलेश्वर और जगतगुरु के पद पर भी रह चुकी हैं। इसके पश्चात उन्हें शंकराचार्य की उपाधि प्रदान की गई, वे देश की पहली किन्नर शंकराचार्य बनीं।

राज्यपाल श्री पटेल से केरल राज्य के पार्षदगणों ने की मुलाकात

राजधानी के स्वच्छता प्रबंधन कार्यों की सराहना की

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से रविवार को लोकभवन में केरल राज्य के विभिन्न स्थानीय निकायों के पार्षद एवं जनप्रतिनिधियों ने शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल श्री पटेल ने सभी का आत्मीय स्वागत कर परिचय प्राप्त किया। उनके क्षेत्र के राजनैतिक और प्रशासनिक नवाचारों की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी

भी मौजूद थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश के भ्रमण पर आए केरल के जनप्रतिनिधि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ-सबका विकास के मंत्र के साथ समाज और राष्ट्र की सेवा करें। प्रदेश सरकार के अनुकरणीय नवाचारों और भ्रमण के अनुभवों को अपने क्षेत्रों में जनकल्याणकारी और विकासात्मक कार्यों में लागू करें। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं को अंतिम पंक्ति तक पहुँचाने में आपकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी से स्थानीय शासन को और अधिक प्रभावी बनाएं। हमेशा गरीब, वंचितों और जरूरतमंदों की सेवा के संकल्प का पालन करें।

राज्यपाल श्री पटेल से केरल के जनप्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश भ्रमण के अनुभव साझा किए। देश की स्वच्छतम राजधानी के रूप में भोपाल के सफ़ाई प्रबन्धन की सराहना की। प्रदेश के जल प्रबन्धन, स्मार्ट सिटी परियोजना, कचरा निस्तारण, सौर ऊर्जा आदि की चर्चा की। शिष्टाचार भेंट कार्यक्रम में राजभवन के अधिकारी और प्रदेश में निवासरत मलयाली समाज के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

पानी गर्म करते समय छात्र की करंट लगने से मौत

नहाने से पहले बाल्टी में हाथ डालते ही लगा झटका, तापमान जांच रहा था बालक

भोपाल (नप्र)। भोपाल के आनंद नगर में सातवीं कक्षा के छात्र की करंट लगने से मौत हो गई। हादसा रविवार दोपहर करीब 12 बजे हुआ। छात्र नहाने के लिए बाल्टी में पानी गर्म कर रहा था। पानी का तापमान जांचने के लिए हाथ डालते ही वह करंट की चपेट में आ गया। परिजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, 13 वर्षीय केशव चौकसे, पिता राजकुमार चौकसे, आनंद नगर का निवासी था। वह एक निजी स्कूल में कक्षा सातवीं का छात्र था। रविवार को वह घर पर नहाने की तैयारी कर रहा था।

बाल्टी में पहले से लगी थी हीटर रॉड

केशव ने पानी गर्म करने के लिए बाल्टी में इलेक्ट्रिक हीटर रॉड लगाई थी। पानी का तापमान जांचने के लिए उसने बाल्टी में हाथ डाल दिया। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया। करंट लगने के बाद परिजन उसे तुरंत निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद केशव को मृत घोषित कर दिया।

परिवार का बड़ा बेटा था केशव

केशव परिवार का बड़ा बेटा था और उसका एक छोटा भाई है। परिजनों के अनुसार, वह पढ़ाई में अच्छा था और आगे चलकर पायलट बनना चाहता था। घटना के बाद परिवार सदमे में है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डॉ. शंभूदयाल गुरु के निधन पर दुःख व्यक्त किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने डॉ. शंभुदयाल गुरु के निधन पर दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डॉ. गुरु ने संचालक गजेटियर सहित अन्य महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया। मध्यप्रदेश से संबंधित महत्वपूर्ण अभिलेखों के संरक्षण और पुराने ग्रंथों के पुनर्प्रकाशन के लिए उन्होंने विशेष योगदान दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व. डॉ. गुरु की आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।

फैब्रिकेशन फैक्ट्री में आग

फायर ब्रिगेड की 5 गाड़ियां मौके पर, लकड़ी के सामान से लपटें बेकाबू

फोटो : प्रवीण बाजपेई

भोपाल (नप्र)। भोपाल में इंटर स्टेट बस टर्मिनल (आईएसबीटी) के सामने मेहता इंडस्ट्री में आग लग गई है। यहां फैब्रिकेशन का काम होता है। आग फैक्ट्री के पिछले हिस्से में बने गोदाम में लगी, जहां लकड़ी का सामान और प्लाईवुड रखा था।

पुलिस की डायल 112 की दो और नगर निगम की 5 दमकल मौके पर हैं। आग बुझाने की कोशिशें की जा रही हैं। फिलहाल, हादसे में जनहानि की सूचना नहीं है। एहतियातन आसपास के क्षेत्र को खाली कराया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दोपहर करीब पौने 4 बजे फैक्ट्री से अचानक धुआं उठता दिखाई दिया। कुछ ही देर में आग ने कारखाने के अंदर रखे लकड़ी के सामान को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे लपटें तेज हो गईं।अब तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

कथावाचक प्रदीप मिश्रा ने 'ग्रीन शिवरात्रि' थीम पर पौधा लगाया

कुबरेश्वर धाम से अपील- सभी श्रद्धालु पौधारोपण करें, देशभर से 2 लाख लोग पहुंचे

सीहोर (नप्र)। सीहोर के कुबरेश्वर धाम में कथावाचक प्रदीप मिश्रा ने 'द्वादश ज्योतिर्लिंग गार्डन' में 'ग्रीन शिवरात्रि' थीम पर पौधा लगाया है। इस गार्डन में 12 विशेष पौधे लगाए हैं। प्रदीप मिश्रा ने कहा है कि पर्यावरण-हितैषी आयोजन आध्यात्मिकता को प्रकृति संरक्षण से जोड़ने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि पौधे 12 ज्योतिर्लिंगों का प्रतिनिधित्व करने वाले हैं। इन पौधों को धाम से उनकी वास्तविक भौगोलिक दूरी के आधार पर 'स्केल डिस्टेंस' पद्धति से रोपित किया है। इनमें श्री महाकालेश्वर (127 किमी), श्री ओंकारेश्वर (135 किमी), श्री केदारनाथ (864 किमी) और श्री रामेश्वरम (1557 किमी) जैसे प्रमुख ज्योतिर्लिंगों की दूरियों को दर्शाया है।

देशभर से पहुंच रहे हैं लोग- 7 दिवसीय महोत्सव की शुरुआत शनिवार से शुरू हुई जो 20 फरवरी तक चलेगा। इसमें शामिल होने के लिए महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, बिहार समेत देश भर से अब तक 2 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे चुके हैं।

लोगों को समस्या न हो इसके लिए व्यवस्था संभालने के लिए 1200 से अधिक सेवादार तैनात किए गए हैं। महोत्सव में प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक श्री शिवमहापुराण कथा का वाचन हो रहा है। वहीं, शाम 6:30 बजे संध्या महाआरती का आयोजन किया जा रहा है।

मिश्रा बोले- यहां वही आता, जिससे बाबा प्रेम करते हैं

पंडित मिश्रा ने बताया कि यह धाम 12 ज्योतिर्लिंगों के मध्य में स्थित है और यहां वही आता है जिससे बाबा स्वयं प्रेम करते हैं। सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार करते हुए कहा, बेटी आपके पुण्यों की रसीद है। उन्होंने कहा अब केवल बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ ही नहीं बल्कि बहू पढ़ाओ, देश बचाओ के संकल्प की आवश्यकता है। जिस घर में बेटी और बहू का सम्मान होता है, वहां दरिद्रता कभी नहीं आती।

शादी में पानी बर्बादी रोकने पर जोर

पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि शादियों में पानी की बर्बादी रोकना अनिवार्य है। पानी की बोतलों पर लिखा होना चाहिए मैं जल हूं, आने वाला कल हूं। यदि हमने आज जल का सम्मान नहीं किया, तो भविष्य में इसके लिए तरसना पड़ेगा। उन्होंने समझाया कि मंदिर में सिर झुकाना भगवान के चरणों में होना है, लेकिन मंदिर से निकलकर कार्यक्षेत्र पर जाते समय भगवान को याद रखना उनकी शरण में होना है।

कला में परस्परता का जीवंत उदाहरण है गीत गोविंद : विनय उपाध्याय

भोपाल। साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था 'छतनारा' द्वारा आयोजित एक विशेष संवाद सत्र में प्रख्यात कला समीक्षक और सम्पादक विनय उपाध्याय ने 'कलाओं में परस्परता' विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। संवाद छतनारा की नियमित गतिविधि है जिसके अंतर्गत कला और संस्कृति संबंधित बातचीत की जाती है। कार्यक्रम में होस्ट की भूमिका में कवि निशांत उपाध्याय थे।

निशांत द्वारा पूछे गए पहले प्रश्न का उत्तर देते हुए विनय ने कहा कि जीवन, प्रकृति और सुंदरता का सुंदर छंद होती हैं कलाएँ। शब्द में, गान में, चित्र में, लय-अभिनय में एक अनूठी दुनिया से हमारा सामना होता है। रस और अनुभूति से उमगता यह संसार कलाओं की साझेदारी में जीवंत होता है जहाँ हमारे जीवन की जटिलता और फ़ासले उदारता में सिमट जाते हैं।

निशांत ने जब एक कला के दूसरी कला पर प्रभाव और संबंध पर प्रश्न किया तो विनय ने स्पष्ट किया कि कला का हर अनुशासन एक-दूसरे में घुला हुआ है। कलाओं के परस्पर संवाद और आत्मीय संयोग का उदाहरण है - महाकवि जयदेव का गीत गोविंद। वह काव्य, संगीत और नृत्य की त्रिवेणी है। साथ ही, रागमाला के चित्र भी कला के अंतर-अनुशासन का उदाहरण है। वे ध्वनि के चित्र हैं।

विनय उपाध्याय ने श्रोताओं के एक प्रश्न पर कहा कि कला कभी भी अपनी भूमि, परिवेश, समय से दूर नहीं रही है। कला का स्वभाव इस तरह हमेशा ही देशज रहता है।

निशांत ने संवाद के क्रम में जब कला की मानव जीवन में उपयोगिता के संबंध में प्रश्न किया तो विनय ने कहा कि कलायें ज्ञान की प्रयोगशाला रहीं हैं। नैतिकता और आदर्श मूल्यों को अपने आँचल में थामती हुई कलायें सदियों के आदिम अनुभव का दस्तावेज हैं।

छतनारा की फाउंडर मोहिनी शर्मा ने विनय उपाध्याय को स्मृति उपहार देकर आभार प्रकट किया।

वैलेंटाइन-डे पर गर्लफ्रेंड को छेड़ा तो चाकू मारकर हत्या

खंडवा हाईवे किनारे बैठा था कपल, 3 दोस्त कर रहे थे बदसलूकी, युवती का बॉयफ्रेंड भी घायल

खंडवा (नप्र)। मध्यप्रदेश के खंडवा जिले में शनिवार रात चाकूबाजी में एक युवक की हत्या हो गई। बताया जा रहा है कि वैलेंटाइन डे मना रहे कपल से भावेश अपने 2 दोस्त मयंक और सचिन के साथ छेड़छाड़ कर रहा था, तभी युवती के दोस्त ने रोका। इतने में युवकों ने चाकू निकालकर अटैक कर दिया।

इसी दौरान बीच-बचाव और झूमाझटकी में छेड़छाड़ कर रहे भावेश पाल (19) के सीने में चाकू लग गया, जिससे भावेश की मौत हो गई। वहीं भावेश के दोस्त मयंक को भी चोट आई है। मयंक ने बताया कि युवती के दोस्त हर्ष ने भावेश को चाकू मारा है, जिससे उसकी जान चली गई।

युवकों ने चाकू मारा, दोस्त को चोट लगी- युवती ने बताया कि विवाद के बीच एक युवक ने अचानक चाकू निकाल लिया। झूमा-झटकी के बीच हर्ष के हाथ में चाकू से हमला कर दिया, जिससे हर्ष को गंभीर चोट लगी है। इसी बीच दो युवक भी घायल हो गए। वहीं मृतक भावेश के दोस्त मयंक ने बताया कि युवती के दोस्त हर्ष ने भावेश के सीने पर चाकू मारा है। वह खून से सन गया था। ज्यादा खून बहने से तड़प रहा था। इलाज के दौरान दोस्त ने दम तोड़ दिया। हर्ष ने मुझ पर भी अटैक किया। कमर में चोट लगी है।

हाईवे किनारे बैठे थे युवक-युवती

वहीं वारदात की जानकारी मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय ने देर रात मौके का जायजा लिया। पुलिस के मुताबिक वारदात शहर से करीब 8 किलोमीटर दूर रूधि गांव में कृष्णा ढाबा के सामने हुई। टपरी के पास युवक-युवती बैठे हुए थे।

वहीं पीड़ित युवती ने पुलिस को बताया कि कृष्णा ढ़ाबे के सामने मेन हाईवे किनारे एक ईंट-भट्ठा है। जहां एक टपरी बनी है। हाईवे किनारे अपने दोस्त हर्ष थापा के साथ बैठी थी। हमें देखकर मयंक, भावेश और सचिन आए।

इस दौरान तीनों लोगों ने उसके साथ छेड़छाड़ की। जब मेरे दोस्त हर्ष थापा ने बचाने की कोशिश की, तो उन्होंने हर्ष से गाली-गलौज की। उन्होंने हर्ष को पीटा और उसके सिर पर ईंट मार दी।

आरोपी बोला- वह गर्लफ्रेंड नहीं, मेरी पत्नी है

मीडिया से बातचीत में आरोपी हर्ष थापा ने बताया कि उसके साथ जो महिला थी, वह उसकी पत्नी है। हमारी शादी 14 जुलाई, 2025 को हुई थी। उसने अपने पहले पति को तलाक दे दिया है। कल मेरा जन्मदिन था। हम ढाबे के सामने एक दोस्त के ईंट भट्टे की दुकान पर बैठे थे। इस दौरान तीन लड़के हमारे पास आए और बहस के बाद मुझे चाकू मारने लगे। मैंने चाकू पकड़ लिया। फिर वह भावेश नाम के एक लड़के को लगा, जिसकी मौत हो गई। हालांकि महिला ने हर्ष को अपना दोस्त बताया है। उसने अपने पति और पते के बारे में अलग-अलग जानकारी दी है।

दोनों पक्षों के खिलाफ केस दर्ज

कोतवाली टीआई प्रवीण आर्य ने बताया किवारदात शनिवार शाम 6 बजे की है। रविवार सुबह 4 बजे दोनों पक्षों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। युवती की शिकायत पर मृतक सहित उसके 2 दोस्तों पर छेड़छाड़ का केस दर्ज किया गया है। इसके साथ ही युवती के दोस्त हर्ष थापा के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। हर्ष को गिरफ्तार कर लिया गया है। फिलहाल केस की जांच चल रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन को सौंपा जाएगा।

संपादकीय

बांग्लादेश : संविधान भी बदलेगा?

बांग्लादेश में हाल में हुए आम चुनाव के बाद वहां बीएनपी (बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी) का सत्ता में आना और उसके नेता तारिक रहमान का पीएम बनना तय है, लेकिन भारत सहित दुनिया की नजर इस बात पर भी रहेगी कि क्या बांग्लादेश के पचास साल पुराना संविधान भी बदलेगा? क्योंकि चुनाव में सत्ता परिवर्तन के साथ साथ इस बात पर भी रायशुमारी हुई थी कि क्या बांग्लादेश का संविधान बदला जाना चाहिए और इस रायशुमारी में 72.9 फीसदी लोगों ने बदलाव के पक्ष में वोट दिया। इसे जुलाई चार्टर कहा जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य संवैधानिक सुधारों के जरिए निरंकुशता पर लगाम लगाना है। ताकि भविष्य में कोई सत्ता मिलने पर तानाशाह न बन सके। यह भावी पीएम तारिक रहमान पर निर्भर करेगा कि वो संविधान में अपेक्षित बदलाव करते हैं या नहीं। इस जनमत संग्रह को इम्प्लीमेंटेशन ऑर्डर भी कहा जा रहा है। यह जनमत संग्रह केवल बदलाव के पक्ष में हां अथवा ना तक सीमित नहीं था, बल्कि इसमें खास संविधान संशोधनों को मंजूरी के लिए रखा गया। यानी हकीकत में यह एक कानूनी दस्तावेज है, जो बड़े स्तर पर संवैधानिक सुधारों की प्रक्रिया शुरू करेगा। चार्टर की 84 सिफारिशों में से 47 के लिए संविधान में संशोधन ज़रूरी होगा, इसलिए वे जनमत संग्रह के दायरे में आती हैं। बाकी सुधार बिना संविधान बदले लागू किए जा सकते हैं। बांग्लादेश के संविधान में अभी जनमत संग्रह कराने का कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए वोट की प्रक्रिया को नियंत्रित करने के लिए एक अलग अध्यादेश तैयार किया गया। यानी मतदान कब शुरू और खत्म होगा, बैलेट पेपर कैसे संभाले जाएंगे, कौन प्रेसीडिंग ऑफिसर होगा और वोटों की गिनती कैसे होगी आदि। लेकिन इम्प्लीमेंटेशन ऑर्डर सिर्फ मतदान की प्रक्रिया नहीं बताता। यह उन कदमों को भी तय करता है जो जनमत सफल होने पर संसद को उठाने होंगे। यानी यह चार्टर के संवैधानिक सुधार लागू करने के लिए एक नई विधायी प्रक्रिया शुरू करता है। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में पहला सुधार चुनाव के समय कार्यवाहक सरकार बनाने से जुड़ा है। बांग्लादेश ने 1996 में एक संवैधानिक संशोधन के जरिए कार्यवाहक सरकार की व्यवस्था शुरू की थी, ताकि राष्ट्रीय चुनाव के दौरान निष्पक्षता बनी रहे। कार्यवाहक सरकार के तहत हुए चुनावों को सत्तारूढ़ सरकार के तहत हुए चुनावों की तुलना में ज्यादा विश्वसनीय माना जाता था। लेकिन हसीना सरकार ने इस प्रावधान को खत्म कर दिया और चुनाव सत्तारूढ़ सरकार के तहत कराए गए। जिससे चुनाव संदिग्ध हो गए। बहरहाल जुलाई चार्टर में कार्यवाहक सरकार के मुख्य सलाहकार के चयन के लिए एक विस्तृत और समयबद्ध प्रक्रिया सुझाई गई है। पांच सदस्यीय चयन समिति, जिसमें प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता, स्पीकर, विपक्ष से एक डिप्टी स्पीकर और दूसरी सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी का एक प्रतिनिधि शामिल होगा, पंजीकृत राजनीतिक दलों और निर्दलीय विधायकों से नाम मांगेगी। अगर सहमति नहीं बनती है, तो प्रक्रिया आगे के विकल्पों के ज़रिए आगे बढ़ेगी। दूसरा प्रावधान बांग्लादेश की एकसदनीय संसद को द्विसदनीय संसद में बदलने का है। जिसे सीनेट कहा जाएगा। जैसे कि भारत में राज्यसभा है। इससे सत्ता पर अंकुश बढ़ेगा। तीसरा प्रावधान कहता है कि अगला संसदीय चुनाव जीतने वाली पार्टियां चार्टर में सहमत 30 सुधारों को 'लागू करेंगी। इन सुधारों में संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाना, उपाध्यक्ष और प्रमुख संसदीय समिति अध्यक्षों का चुनाव विपक्ष से करना, प्रधानमंत्री का कार्यकाल कुल मिलाकर 10 साल तक सीमित करना, कुछ नियुक्तियों में राष्ट्रपति की शक्तियां बढ़ाना, मौलिक अधिकारों को मजबूत करना और स्थानीय सरकारों को सशक्त बनाना आदि शामिल है। इन संशोधनो के उद्देश्य अच्छे हैं। लेकिन पूर्ण बहुमत वाली बीएनपी सरकार इसे कहां तक लागू करना चाहेगी, यह देखने वाली बात होगी।

नजरिया

रघु ठाकुर
लेखक समाजवादी विचारक हैं।

यह ट्रेड डील नहीं बल्कि सरेंडर डील

भारत के प्रधानमंत्री ने 5 फरवरी को संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण और विपक्ष के आरोपों का उत्तर देते हुए कहा कि हम देश को बोफोर्स डील से ट्रेड डील तक लेकर आये हैं। इस कथन के माध्यम से जहां उन्होंने विपक्ष के ऊपर हमला बोला तथा बोफोर्स सौदे में हुए घोटाले की याद दिलाई वहीं अपने हाल के व्यापारिक समझौते का बचाव भी किया। हमारे देश में अकसर ऐसा होता है कि मीडिया के माध्यम से कारपोरेट वॉर के हथियार के रूप में आरोप उछाले जाते हैं, सरकारें बदल जाती हैं और आरोप जस के तस बने रहते हैं। 1989 में बोफोर्स तोपों की खरीदी में भ्रष्टाचार के नाम पर सरकार बदली और प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह बने, परंतु जो आरोप उन्होंने लगाये थे उनके दोषियों को दंड मिले इसके लिए उन्होंने कुछ नहीं किया और बाद में तो यहां तक हुआ कि जब स्व. अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे और कारगिल में घुसपैठ हुई थी तो उन घुसपैठियों के मुकाबले के लिए बोफोर्स तोपों का इस्तेमाल किया गया और बोफोर्स तोपों की श्रेष्ठता सिद्ध हुई। अब जो नया अमेरिका के साथ समझौता हुआ है उस पर चर्चा जारी है। कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री जी ने यूरोपियन यूनियन के साथ ट्रेड डील की थी और उसे मीडिया ने श्मदर ऑफडील्य की संज्ञा दी थी। यह स्वाभाविक है कि सरकारें कोई निर्णय करती हैं तो मीडिया का बड़ा हिस्सा उसका प्रचारक बन जाता है। क्योंकि मीडिया घरानों और सरकार के बीच प्रत्यक्ष तौर पर विज्ञापनों की डील होती है और अप्रत्यक्ष तौर पर कारखानों के लाइसेंस, बैंक की कर्ज माफी, आर्थिक नीतियों के बदलाव आदि की डील होती है जो मीडिया के प्रचार के मुख्य आधार होते हैं।

ईयू की डील के समय कहा गया कि अब भारत 20 लाख करोड़ डॉलर के मार्केट का हिस्सेदार बन गया है, हालाँकि यह डील अभी अपरिपक्व अवस्था में है। नियम यह है कि यूरोपियन यूनियन के अधिकारियों के साथ बातचीत में एक समझ बनी है, अब वे जाकर 6 माह के भीतर ईयू के देशों के साथ संपर्क कर निर्णय करेंगे और अगर इस डील के समर्थन में निर्णय होता है तो उसके क्रियान्वयन की शुरुआत में भी औसतन 4-5 वर्ष लग जाते हैं, परंतु प्रधानमंत्री श्री मोदी जी को इनकी सरकार के लिए ऐसे काम करने का अभ्यास है। जब वे 2026 के बजट में 2047 की चर्चा कर सकते हैं तो 5 वर्ष का समय तो कम ही है। कम से कम मतदाताओं के लिए और देश के लिए झुनझुना तो पच्चीस साल का उन्होंने पकड़ा दिया है।

अभी तक यूरोपियन यूनियन के साथ डील के जो समाचार आये हैं अगर वे क्रियान्वित भी हो तब भी उनसे असली भारत की जनता को क्या लाभ होगा? ईयू चाहता है कि भारत के द्वारा कार खरीदी के मामले में उसे सहभागिता मिले, अगर यह फैसला हो भी जाए तो इससे भारत के संपन्न और श्रेष्ठीय वर्ग के अलावा आम लोगों को क्या मिलेगा? आम लोगों को तो केवल धुआं और दुर्घटनाओं की मौत तथा भ्रष्टाचार की बढ़ोत्तरी मिलेगी। भारत के पहले भी ईयू ने इंडोनेशिया, सिंगापुर, जापान और यूके आदि के साथ ट्रेड डील की है, यूरोपीयन यूनियन की भी यह सफलता है। प्रचार तो यहां तक किया गया कि इस तथाकथित श्मदर ऑफ डील्स्य से जियो पॉलिटिक्स बदलेगी और लोकतांत्रिक आर्थिक शक्तियों के बीच एक रणनीतिक विश्वास उभरेगा। यानि ये डील अमेरिका और चीन के दो ध्रुवों के बीच में एक तीसरा ध्रुव बनेगी। हालांकि इतना अतिविश्वास यूरोपियन यूनियन को भी नहीं है। यूरोपियन यूनियन को यूक्रेन के बचाव के लिए रूस से लड़ना पड़ रहा है और वह अभी तक उसमें सफल नहीं रहा है। यूरोपियन यूनियन के बारे में रूस ने यह कहा कि कुछ दिनों बाद ये सब अमेरिका के सामने घुटने के बल बैठे नजर आयेंगे और अमेरिका ने भी ईयू और भारत के डील के लिए कोई विशेष तरजीह नहीं दी। अमेरिका यह जानता है कि यूनियन के देश उससे अलग होकर बहुत दिनों तक अपनी अर्थव्यवस्था को नहीं बचा सकेंगे। अगर यह श्मदर ऑफडील्य इतनी बड़ी उपलब्धि थी तो भारत को अमेरिका के साथ ट्रेड डील की क्या आवश्यकता थी? ईयू की डील ही पर्याप्त हो जाती। दरअसल ईयू की डील केवल प्रचारात्मक है क्योंकि ईयू के देशों के पास भारत के समानों को बहुत अधिक खरीदने की ना तो जरूरत है और ना क्षमता है। अमेरिका का बाजार अभी तक भारत के लिए मुफीद था, क्योंकि भारत अभी तक अमेरिका से 9 लाख करोड़ का सामान निर्यात करता था और 4.5 लाख करोड़ का सामान आयात करता था। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भारत के होने वाले घाटे के एक हिस्से की पूर्ति इस तरीके से होती थी। दूसरे पिछले कुछ महीनों की घटनाओं से फिलहाल अमेरिका को एक विश्व शक्ति के रूप में देखना शुरू किया है और अपने सारे मनमानीपन, विदूषक तरीकों के बावजूद भी ट्रम्प अमेरिका की शक्ति का एहसास करा रहे हैं। वे एक साथ घर पर व बाहर दोनों मोर्चों पर बगैर अपने विचार को छिपाये खुलेआम लड़ रहे हैं, यह उनका अवगुण भी है और गुण भी है।

अब भारत और अमेरिका के बीच जो ट्रेड डील हुई है, इससे भारत का रोता हुआ बाजार निफ्टी और सेंसेक्स जो पिछले कुछ दिनों से दहाड़ मार कर रो रहे थे, अब कह कहा कर हंस रहें हैं। याने वे जानते हैं कि, बाजार और कारपोरेट शक्तियों का लाभ अंततः अमेरिका के साथ समझौते में है। अमेरिका ने रूस के तेल खरीदी के नाम पर लगाये गए 25 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। इससे भारत के निर्यात को जो पिछले माह से कमजोर अवस्था में था, अब फिर मौका मिला है। दरअसल एक पक्ष यह भी है कि अमेरिका जिन सामानों को भारत से खरीदता है वे कोई बुनियादी जरूरतों की चीजें नहीं हैं। जेवर, जेम्स, छोटो मोटी मशीन, दवा का रसायन आदि ऐसे ही सामान हैं जिनके बगैर अमेरिका का काम चल सकता है। अमेरिका इन सामानों को अन्य देशों से भी आयात कर सकता है।

गुजरात के व्यापारियों का बड़ा हिस्सा और उनके परिवारजन अमेरिका में रहते हैं और उनका भी श्री मोदी पर दबाव था कि जैसे भी हो अमेरिका के साथ रिश्ते बहाल किए जाएं। इससे मोदी सरकार को फिलहाल अपनी सरकार बचाने में भी फायदा हुआ, और आगामी गुजरात चुनाव में भी इसका फायदा मिलेगा। हालाँकि व्यापार के क्षेत्र में यह बहुत मुनाफेमंद साबित नहीं होगा। अमेरिका भारत से सी फूड और विशेषतरू झींगा खरीदेगा। दरअसल अमेरिका भारत से कुछ सामान इसलिए खरीदता है ताकि भारत को कुछ बाजार मिले और भारत उसका नीतिगत पिछलग्गू बना रहे। इसमें अमेरिका सफल भी हुआ है। पिछले कई माह से कहे अनकहे डोनाल्ड ट्रम्प को चुनौती देने वाले प्रधानमंत्री जी ने इस डील के बाद विनम्रता का बयान दिया है कि देश की 140 करोड़ आबादी आपकी आभारी है। यह बयान ही अपने आप में भारत की स्थिति को बताने के लिए पर्याप्त है । यानि प्रधानमंत्री ने माना है कि अमेरिका के साथ हुआ समझौता भारत की लगभग डेढ़ अरब आबादी के लिए हितकर है और इसलिए पूरा देश आभारी है। अमेरिका चाहता था कि भारत रूस से तेल खरीदना कम करे और यह कोई छिपा तथ्य नहीं है कि भारत वेनेजुअला के माध्यम से अमेरिकी प्रभाव का तेल खरीदेगा तथा कहे अनकहे रूस से खरीददारी कम होगी। दरअसल अमेरिका यूक्रेन को बचाने के लिए रूस की आर्थिक और सामरिक क्षमता कम करना चाहता है और इसमें वह सफल हुआ है। अमेरिका के कृषि मंत्री ब्रूक रोलिंस ने कहा है कि ट्रेड डील से अमेरिकी कृषि उत्पादों का निर्यात भारत के बाजार में बढ़ेगा जिससे 113 करोड़ डॉलर यानि लगभग 11000 करोड़ रुपये का भारत से व्यापार घाटा कम होगा और केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि कृषि और डेयरी सेक्टर हितों से कोई समझौता नहीं किया गया है। यह बयान द्विअर्थीय है, एक तो इस रूप में कि यह नहीं कहा गया कि कृषि उत्पाद को लेकर कोई समझौता नहीं हुआ, बल्कि इतना ही कहा गया है कि कृषि और डेयरी के हितों से कोई समझौता नहीं हुआ। इससे इतना तो अर्थ स्पष्ट है कि अमेरिकी कृषि और डेयरी उत्पादों के भारत में आने के लिए सहमति बनी है। अब उसकी सीमा क्या होगी, कितने में भारतीय कृषि और डेयरी क्षेत्र के हित होंगे, यह श्री पीयूष गोयल ही समझ सकते हैं और अमेरिका अपने व्यापार घाटे को किस सीमा तक कम करेगा, यह खुलासा बकाया है।

स्वाभाविक है कि कोई भी देश किसी दूसरे देश से समझौता करता है तो वह अपना भी हित सुरक्षित रखता है। दरअसल, पिछले आठ महीनों से जो भारत और दुनिया के पटल पर ट्रंप और मोदी का ड्रामा चल रहा था इसका एक ही अर्थ और एक ही लक्ष्य था। मैंने आज से लगभग तीस वर्ष पहले अपनी पुस्तक श्आर्थिक उदारीकरण और भारत्य में लिखा था कि डब्ल्यूटीओ का समझौता कोई साल दो साल का नहीं है, बल्कि एक ऐसी लंबी दूरी का है जो सदी तक भी पहुंच सकता है। इस समझौते में ही भारत के कृषि के क्षेत्र को खोले जाने की बात थी। वैसे भी, भारत अनेक दुग्ध उत्पादक सामग्रियों को अनेकों देशों से आयात करता रहा है। क्या हमने दूध पाउडर डेनमार्क से आयात नहीं किया था? इतना ही है कि बस पहले किसी छोटे देश से छोटे-मोटे आयात होते थे। अब अमेरिका से बड़े पैमाने पर कृषि आयात होगा जिसमें कपास, सोयाबीन तेल, बीन्स आदि आदि उत्पाद शामिल होंगे। फिर भारत की ओर से अपनी बढ़ती आबादी की जरूरतों की पूर्ति का हवाला दिया जाएगा और भारतीय कृषि इससे बुरी तरह प्रभावित होगी। विपुल अनुदान प्राप्त अमेरिका में पैदा किया गया गेहूँ भारत खायेगा और भारत में 85 करोड़ लोगों को 5 किलो मुफ्त अनाज मिलेगा। भारत का सामान्य किसान बर्बाद होगा तथा 85 करोड़ मुफ्त अनाज पाने वाले सरकार की जय जयकार करेंगे। अमेरिका अपने आर्थिक हितों में सफल होगा और भारत की सरकार वोट की खेती में सफल होगी। अमेरिकी कपास को तो भारत सरकार ने कपास की फसल आने के पहले ही आयात की अनुमति दे दी थी। यह हमारे देश के विपक्ष के बौद्धिक दिवालियापन का भी प्रतीक है कि जब घटनायें होती हैं, तब वे अज्ञानता या अपने अतीत के अपराधों के दबाव में चुप रहते हैं और जब वे बीज विराट-वृक्ष बन जाते हैं तब प्रतिपक्ष थोड़ा बहुत हल्ला मचाकर चुप हो जाता है। अगर प्रतिपक्ष भी ईमानदार है तो उसे ये घोषणा करनी चाहिए कि अगर प्रतिपक्ष की सरकार आएगी तो डब्ल्यूटीओ के समझौते से बाहर निकलेंगे, जो कि बचाव का वास्तविक रास्ता है। अमेरिका के साथ हुई डील में यह भी तय हुआ कि जहां एक तरफअमेरिका टैरिफ को कम कर रहा है वहीं भारत भी अमेरिका 100 करोड़ डॉलर का अमेरिका से प्रतिवर्ष आयात से टैरिफ हटाएगा तथा पांच वर्ष में पांच सौ करोड़ के व्यापार को टैक्स अमेरिकी डॉलर मुक्त करेगा।

सच्चाई तो यह है कि ये ट्रेड डील नहीं है, बल्कि सरेंडर है। यह व्यापार समझौता नहीं है, बल्कि भारत का समर्पण है। प्रधानमंत्री जी ये कह रहे हैं कि खाड़ी देश परिषद के छह देशों से मुक्त व्यापार की बात हो रही है। इस व्यापार से भारत कुछ राहत तो पाएगा, परंतु अर्थव्यवस्था को आगे ले जाने के सपने को दूर तक लेकर नहीं जा पाएगा।

मुद्दा

ममता कुशवाहा
लेखक शिक्षक हैं।

जब महिलाएँ आगे बढ़ती हैं, देश सशक्त होता है

भारत आज एक ऐसे परिवर्तनकाल से गुजर रहा है, जहाँ नारी शक्ति केवल सामाजिक विमर्श का विषय नहीं, बल्कि आर्थिक विकास की सक्रिय धुरी बनती जा रही है। शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता और वित्तीय क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी ने भारतीय अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा और दिशा दी है। परंपरागत सीमाओं को तोड़ते हुए महिलाएँ अब घर की चौखट से निकलकर बाजार, कार्यस्थल और नेतृत्व के मंचों तक अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। यह बदलाव केवल आय वृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे सामाजिक संरचनाएँ मजबूत हो रही हैं, पारिवारिक निर्णय अधिक संतुलित बन रहे हैं और विकास अधिक समावेशी स्वरूप ग्रहण कर रहा है। यही नारी भागीदारी भारत के उज्ज्वल भविष्य की ठोस आधारशिला है। जैसे-जैसे महिलाएँ आर्थिक विकास में सक्रिय योगदानकर्ता बन रही हैं, वे न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रही हैं, बल्कि भारतीय समाज की बुनियादी संरचना को भी नया आकार दे रही हैं।

इस व्यापक परिवर्तन का सबसे स्पष्ट रूप महिलाओं की श्रम बाजार में बढ़ती भागीदारी के रूप में दिखाई देता है। परंपरागत रूप से भारत में महिलाओं काकाम मुख्यतः घरेलू और अवैतनिक श्रम तक सीमित रहा है या फिर असंगठित क्षेत्र में, जहाँ सुरक्षा और पहचान का अभाव था। लेकिन हाल के वर्षों में महिला श्रम भागीदारी दर में धीरे-धीरे किंतु निरंतर वृद्धि देखने को मिली है। इस वृद्धि के पीछे बेहतर शिक्षा की उपलब्धता, कौशल विकास कार्यक्रम, शहरीकरण और सेवा तथा ज्ञान आधारित उद्योगों का विस्तार जैसे कई कारण हैं। आज महिलाएँ सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बैंकिंग, खुदरा व्यापार और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में न केवल कर्मचारी के रूप में बल्कि उद्यमी के रूप में भी योगदान दे रही हैं। कार्यबल में उनकी बढ़ती उपस्थिति ने आर्थिक गतिविधियों में विविधता लाई है और उत्पादकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र इस बदलाव का एक सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करताहै। बैंकिंग में महिलाओं की भागीदारी ग्राहकों और पेशेवरों, दोनों रूपों में उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है। बैंक खाताधारकों में महिलाओं का प्रतिशत लगातार बढ़ रहा है, जो महिलाओं को औपचारिक वित्तीय व्यवस्था से जोड़ने वाले वित्तीय समावेशन कार्यक्रमों की सफलता को दर्शाता है। बैंक खाते होने से महिलाओं को स्वतंत्र रूप से बचत करने, सीधे सरकारी लाभ प्राप्त करने, छोटे व्यवसायों में निवेश करने और घरेलू वित्त को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने की शक्ति मिली है। वित्तीय साक्षरता अभियानों ने महिलाओं की आर्थिक समझ को और मजबूत किया है, जिससे वे आत्मविश्वास के साथ विवेकपूर्ण आर्थिक निर्णय ले पा रही हैं और उनकी आत्मनिर्भरता बढ़ी है।

पूंजी बाजारों में महिलाओं की भागीदारी भी आर्थिक सशक्तिकरण का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। बीते कुछ वर्षों में शेयर बाजार में निवेश करने वाली महिलाओं की संख्या में तेज़ी से वृद्धि हुई है। यह बदलाव पारंपरिक बचत साधनों जैसे सोना या सावधि जमा से आगे बढ़कर विविध वित्तीय परिसंपत्तियों में निवेश की ओर संकेत करता है। इक्विटी बाजारों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी बढ़ती वित्तीय जागरूकता, अधिक उपलब्ध आय और सोच-समझकर जोखिम उठाने की क्षमता को दर्शाती है। शेयरों और म्यूचुअल फंडों में निवेश के माध्यम से महिलाएँ न केवल अपनी व्यक्तिगत संपत्ति का निर्माण कर रही हैं, बल्कि पूंजी निर्माण और समग्र आर्थिक विकास में भी योगदान दे रही हैं।

उद्यमिता महिलाओं की आर्थिक भागीदारी का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरी है। महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप और छोटे उद्यम भारत की विकास गाथा में लगातार अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। महिलाओं को ऋण सुविधा, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान करने वाली सरकारी योजनाओं ने उनके लिए एक अनुकूल वातावरण तैयार किया है। आज महिलाएँ खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प, ई-कॉमर्स, शिक्षा प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवाओं और सामाजिक उद्यमोंजैसे विविध क्षेत्रों में सक्रिय हैं। उनके व्यवसाय न केवल रोजगार सृजन करते हैं और नवाचार को बढ़ावा देते हैं, बल्कि कई बार सामाजिक समस्याओं का समाधान भी संवेदनशीलता और दूरदृष्टि के साथ प्रस्तुत करते हैं।

नेतृत्व और निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी भी इस परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

हालाँकि प्रबंधकीय और नेतृत्व पदों पर महिलाओं की संख्या अभी अपेक्षित स्तर से कम है, फिर भी इसमें उत्साहजनक वृद्धि देखी जा रही है। महिलाएँ कॉर्पोरेट बोर्डरूम, सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों, स्टार्टअप्स और नागरिक समाज संगठनों में जिम्मेदारीपूर्ण पदों पर पहुँच रही हैं। महिला नेतृत्व से दृष्टिकोणों में विविधता आती है, शासन व्यवस्था में सुधार होता है और निर्णय प्रक्रियाएँ अधिक समावेशी बनती हैं। विश्व भर के अध्ययन बताते हैं कि जिन संगठनों में नेतृत्व स्तर पर लैंगिक विविधता अधिक होती है, वे आर्थिक रूप से बेहतर प्रदर्शन करते हैं और नैतिक मानकों के प्रति अधिक प्रतिबद्ध होते हैं।

शिक्षा इस पूरे परिवर्तन की आधारशिला रही है। महिला साक्षरता दर में सुधार और माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा में बालिकाओं का बढ़ता नामांकन कुशल महिलाओं की एक मजबूत श्रृंखला तैयार कर रहा है, जो कार्यबल में प्रवेश के लिए तैयार हैं। बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने वाली सरकारी योजनाओं ने स्कूल छोड़ने की दर को कम किया है और परिवारों को अपनी बेटियों के भविष्य में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया है। शिक्षित महिलाएँ अधिक संभावना के साथ रोजगार में भाग लेती हैं, कम उम्र में विवाह को टालती हैं, स्वास्थ्य से जुड़े बेहतर निर्णय लेती हैं और अगली पीढ़ी की शिक्षा का समर्थन करती हैं। इस प्रकार विकास का एक सकारात्मक और सतत चक्र बनता है।

महिलाओं की आर्थिक भागीदारी का सामाजिक प्रभाव केवल आय अर्जन तक सीमित नहीं है। जब महिलाएँ कमाती हैं और वित्तीय संसाधनों पर उनका नियंत्रण होता है, तो पारिवारिक ढाँचे में सकारात्मक बदलाव आते हैं। आर्थिक रूप से स्वतंत्र महिलाएँ स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और बचत से जुड़े निर्णयों में अधिक सशक्त भूमिका निभाती हैं। इससे बच्चों के भविष्य और परिवार की समग्र भलाई पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। आर्थिक भागीदारी महिलाओं के आत्मसम्मान और सामाजिक प्रतिष्ठा को भी बढ़ाती है, जिससे वे भेदभावपूर्ण परंपराओं को चुनौती देने और अपने अधिकारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने में सक्षम होती हैं।

सरकारी नीतियों ने विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को तेज़ करने में अहम भूमिका निभाई है। महिलाओं पर केंद्रित योजनाओं, कौशल विकास कार्यक्रमों और उद्यमिता समर्थन के लिए बढ़ा हुआ बजटीय प्रावधान सरकार की लैंगिक समावेशन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मातृ स्वास्थ्य, कार्यस्थल सुरक्षा, मातृत्व लाभ और शिशु देखभाल सुविधाओं में सुधार से जुड़ी पहलों ने उन संरचनात्मक बाधाओं को कम किया है, जो महिलाओं की सवेतन कार्य में भागीदारी को सीमित करती थीं। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी व्यवस्थाओं ने यह सुनिश्चित किया है कि वित्तीय सहायता सीधे महिलाओं तक पहुँचे, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही दोनों मजबूत हुई हैं।

इन सकारात्मक प्रवृत्तियों के बावजूद चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं। भारत में महिला श्रम भागीदारी दर में सुधार तो हुआ है, लेकिन यह अभी भी वैश्विक औसत से कम है। सांस्कृतिक मान्यताएँ, अवैतनिक देखभाल कार्य का बोझ, सुरक्षा संबंधी चिंताएँ और गुणवत्तापूर्ण शिशु देखभाल सुविधाओं की कमी आज भी कई महिलाओं को सशुल्क रोजगार से दूर रखती हैं। घरेलू कार्यों का असमान बोझ महिलाओं पर अधिक होने से उनके पास आर्थिक गतिविधियों के लिए समय और ऊर्जा सीमित रह जाती है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए केवल नीतिगत हस्तक्षेप ही नहीं, बल्कि लैंगिक भूमिकाओं को लेकर समाज की सोच में गहरा बदलाव भी आवश्यक है।

असंगठित क्षेत्र में आज भी बड़ी संख्या में महिलाएँ कार्यरत हैं, जहाँ कम वेतन, सीमित सुरक्षा और सामाजिक संरक्षण का अभाव आम बात है। महिलाओं के कार्य को औपचारिक रूप देना, समान कार्य के लिए समान वेतन सुनिश्चित करना और सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार करना सतत सशक्तिकरण की दिशा में आवश्यक कदम हैं। ऐसे कार्यस्थल नियम और नीतियाँ, जो लचीलापन, दूरस्थ कार्य के विकल्प और सुरक्षित वातावरण को बढ़ावा देती हों, विशेष रूप से शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को और प्रोत्साहित कर सकती हैं।

प्रौद्योगिकी महिलाओं के आर्थिक समावेशन की एक सशक्त सहायक के रूप में उभरी है। डिजिटल प्लेटफॉर्म ने महिलाओं के लिए शिक्षा, वित्तीय सेवाओं, बाज़ारों और रोजगार तक पहुँच को आसान बनाया है, वह भी अपने घर या स्थानीय समुदाय से। ई-कॉमर्स, डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन शिक्षा और दूरस्थ कार्य ने महिलाओं के सामने मौजूद गतिशीलता और सुरक्षा से जुड़ी कई बाधाओं को कम किया है। जैसे-जैसे डिजिटल साक्षरता का विस्तार होगा, प्रौद्योगिकी लैंगिक अंतर को पाटने और महिलाओं की आर्थिक क्षमता को पूरी तरह उजागर करने में और भी बड़ी भूमिका निभा सकती है।

महिलाओं की भागीदारी का व्यापक आर्थिक प्रभाव अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिला श्रम भागीदारी में वृद्धि से उत्पादक कार्यबल का विस्तार होता है, जिससे प्रत्यक्ष रूप से सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि होती है। इससे घरेलू आय बढ़ती है, उपभोग को बल मिलता है और आंतरिक माँग मजबूत होती है। व्यापक स्तर पर देखा जाए तो लैंगिक रूप से समावेशी विकास अधिक मजबूत और टिकाऊ होता है, क्योंकि यह जनसंख्या के केवल आधे नहीं बल्कि पूरे समाज की क्षमताओं और प्रतिभाओं का उपयोग करता है। इस प्रकार महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण केवल सामाजिक न्याय का प्रश्न नहीं, बल्कि एक रणनीतिक आर्थिक आवश्यकता भी है।

इस तरह से हम कह सकते हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी हमारे समय के सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तनों में से एक है। श्रम बाजार, वित्तीय प्रणाली, उद्यमिता और नेतृत्व हर क्षेत्र में महिलाएँ अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं और आर्थिक ढाँचों को नया रूप दे रही हैं। यद्यपि प्रगति स्पष्ट है, फिर भी स्थायी प्रयासों की आवश्यकता है ताकि शेष बाधाओं को दूर किया जा सके और विकास को वास्तव में समावेशी बनाया जा सके। महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण परिवारों को मजबूत करता है, समुदायों को सुदृढ़ बनाता है और राष्ट्र को आगे बढ़ाता है। जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ेगा, उसकी आर्थिक क्षमता का पूर्ण साकार होना इस बात पर निर्भर करेगा कि वह अपनी महिलाओं की आकांक्षाओं, प्रतिभाओं और योगदानों को कितनी प्रभावी रूप से अपनाता और समर्थन करता है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सुदर्शन कुमार सोनी
लेखक व्यंग्यकार हैं।

नीति का पेंडुलम और जनता की मेमोरी

प्रदेश की सरकार ने घोषणा की है कि अब आंगनवाड़ियों में दलिया सप्लाई पुनः सरकारी उपक्रम एमपी एग्रो के माध्यम से होगी। यही दलिया कुछ समय पहले स्व-सहायता समूहों को सौंपा गया था, तब इसे आत्मनिर्भरता का महामंत्र बताया गया था। अब वही आत्मनिर्भरता शायद अधिक निर्भर हो गई, इसलिए दलिया फिर सरकारी गोद में लौट आया। व्यवस्था का चरित्र अद्भुत है—जिसे अपनाना हो उसका गुणगान, जिसे हटाना हो उसकी कमियों का कीर्तन।

जब एसएचजी को जिम्मेदारी दी गई थी, तब कहा गया—'महिलाओं का सशक्तिकरण होगा, पारदर्शिता बढ़ेगी, स्थानीय रोजगार बढ़ेगा।' अब एमपी एग्रो को सौंपते हुए कहा जा रहा है—'कार्यकुशलता बढ़ेगी, मानकीकरण होगा, निगरानी सख्त होगी।'

सवाल यह नहीं कि कौन बेहतर है; सवाल यह है कि बेहतर हमेशा वही क्यों होता है जो अभी-अभी चुना गया है? और पहले का 'सर्वश्रेष्ठ' अचानक गड़बड़ी का पिटारा कैसे बन जाता है?

यह कहानी सिर्फ दलिया की नहीं। यही कथा बीआरटीएस कॉरिडोर की भी रही। जब बना, तब शहरी यातायात का उद्धारक बताया गया—'जाम इतिहास बन जाएगा।' फिर कॉरिडोर ने इतनी जगह घेर ली कि जाम ने नया इतिहास लिख दिया। विकास की धरोहर ट्रैफिक की त्रासदी बन गई। सच तो यह है कि जाम सड़क पर कम, नीतियों में ज्यादा लगता है। फीता काटने और योजना काटने में बस समय का अंतर है।

फ्लाई ऐश ईंटों का प्रसंग भी रोचक है। एक दौर था—'पर्यावरण हितैषी, आधुनिक, टिकाऊ।'अब कहीं-कहीं से स्वर उठते हैं—'कमजोर हैं, दरार पड़ती है।'

लगता है ईंटें नहीं बदलीं, दृष्टिकोण की सीमेंट ढीली हुई है। पहले ऐश को ठिकाने लगाना था, अब उसका हिसाब बदल गया। यहाँ नीति कम बदलती है, प्रेस नोट ज्यादा बदलता है।

व्यवस्था का पेंडुलम नियमितता से झूलता है—एजेंसी बदलती है, तर्क बदलते हैं, प्रस्तुति का आत्मविश्वास नहीं बदलता। आज जो 'क्रांतिकारी' है, कल वही 'त्रुटिपूर्ण' घोषित हो सकता है।

और जनता?

उसकी स्मृति पर भरोसा है—वह पाँच साल में बहुत कुछ भूल जाती है। मीडिया नई सुर्खियों की थाली परोस देता है।

मीडिया भी इस नृत्य का सधा सहभागी है। नीति लागू हो तो हेडलाइन—'ऐतिहासिक कदम।' हटे तो—'बहुप्रतीक्षित सुधार।' इतिहास और सुधार के बीच का अंतराल बस एक प्रेस कॉन्फ्रेंस जितना होता है। विकास का हर प्रयोग पहले उत्सव बनता है, फिर अध्ययन का विषय।

असल समस्या एजेंसी नहीं, स्थिरता है। निरंतरता का अभाव विश्वास को खोखला करता है। यदि हर नवीन निर्णय के साथ पिछले निर्णय की आलोचना अनिवार्य हो जाए, तो शासन आत्म-खंडन में बदल जाता है। कल का निर्णय गलत था, यह स्वीकारने का साहस दुर्लभ है; इसलिए उसे 'परिस्थितियों में लिया गया सर्वश्रेष्ठ कदम' कहकर जिम्मेदारी पतली गली से निकाल ली जाती है। बेस्ट बाद में वेस्ट हो जाता है। सुधार अक्सर उसी चीज़ का होता है जिसे कल सुधार कहा गया था।

व्यवस्था की कला देखिए—जिसे लाना हो उसके लिए आँकड़े मिल जाते हैं; जिसे हटाना हो उसके लिए ऑडिट रिपोर्ट तैयार हो जाती है। नहीं तो आँकड़ों का नया सेट बनवा लिया जाता है। तर्कों का टोल प्लाज़ा हर मोड़ पर खड़ा है।

जनता के हिस्से में बस इतना आता है कि वह तालियाँ भी बजाए और सिर भी पीटे। योजना की जोरदार शुरुआत सुने तो उसी योजना का बाजा बजने की खबर भी सुने—और दोनों बार विश्वास करे कि यही अंतिम सत्य है, जब तक अगली घोषणा न आ जाए।

दलिया फिर एमपी एग्रो को गया है। कल फिर किसी और को जाएगा और तब 'स्थानीय भागीदारी' का नया अध्याय खुलेगा। नीतियाँ बदलेंगी, प्रेस नोट छपेंगे, पेंडुलम झूलेगा। विकास अपनी धुरी पर घूमता रहेगा—कभी उजियारा, कभी अंधेरी रात।

यहाँ हर निर्णय ऐतिहासिक है—जब तक अगला ऐतिहासिक निर्णय न आ जाए। व्यवस्था हर बदलाव को अनिवार्य सिद्ध कर देती है।

और जनता?

वह हर बार नए विश्वास के साथ पुरानी कहानी सुनती है—मानो पहली बार सुन रही हो। पुरानी बोतल में नई नीति की शराब पीकर संतुष्ट हो जाती है। चक्र मुस्कुराता रहता है, और जनता उसे अपनी भलाई की मुस्कान समझकर ताली बजाती रहती है।

कानून और न्याय

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलीसीटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

यूजीसी के नए नियमों पर दुरूपयोग की आशंका

सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई के समय मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की खंडपीठ ने सुझाव दिया कि इन यूजीसी के नए नियमों की समीक्षा प्रख्यात विधिवेत्ताओं की एक समिति द्वारा की जानी चाहिए, ताकि सामाजिक मूल्यों, परिसरों के माहौल और समाज पर पड़ने वाले व्यापक प्रभावों पर गंभीरता से विचार किया जा सके।

सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने से संबंधित 2026 की नियमावली को सर्वोच्च न्यायालय ने अगली सुनवाई तक स्थगित रखने का आदेश दिया। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि यूजीसी प्रमोशन ऑफ इक्विटी रेग्युलेशंस 2026 के प्रावधानों में प्रथम दृष्टया अस्पष्टता है और इनके दुरुपयोग की आशंका है। न्यायालय ने इन नियमों के लागू होने पर फिलहाल रोक लगा दी है। न्यायालय ने सुझाव दिया कि विशेषज्ञों की एक समिति इन नियमों में खामियों को भरने पर विचार कर सकती है। भारत में कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में भेदभाव रोकने के लिए यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन या युजीसी ने 13 जनवरी 2026 को नए नियम जारी किए थे। ये नियम इसी विषय पर 2012 में लागू किए गए नियमों की जगह जारी किए गए हैं।

सर्वोच्च न्यायालय ने इन नियमों को लेकर गंभीर आपत्तियां जताते हुए कहा कि ये प्रथम दृष्टया अस्पष्ट हैं और दुरुपयोग की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। यूजीसी के नए नियमों को चुनौती देने वाली याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि नए नियम कुछ समूहों को अलग-थलग करने वाले हैं। कुछ देर चली सुनवाई के बाद सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि इस मुद्दे से जुड़े कुछ संवैधानिक और कानूनी सवालों की जांच की जानी बाकी है। सन् 2012 के नियमों में भेदभाव की बात की गई थी वहीं 2026 में लाए गए संशोधित नियमों में भेदभाव की परिभाषा में जाति आधारित भेदभाव को जोड़ा गया है। नए नियमों के मुताबिक जाति-आधारित भेदभाव का मतलब सिर्फ जाति या जनजाति के आधार पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के सदस्यों के विरुद्ध किया जाने वाला भेदभाव है।

नए नियमों के तहत हर विश्वविद्यालय और कॉलेज को समान अवसर केंद्र या इक्वल ऑपर्च्युनिटी सेंटर स्थापित करना होगा। इस केंद्र का काम वंचित समुदायों के हितों से जुड़ी योजनाओं पर नजर रखना, छात्रों और कर्मचारियों को पढ़ाई, सामाजिक मामलों और पैसों से जुड़ी सलाह देना, परिसर में विविधता और सबको साथ लेकर चलने का माहौल बढ़ाना और जरूरत पड़ने पर जिला और राज्य की कानूनी सेवा संस्थाओं की मदद से कानूनी सहायता उपलब्ध कराना होगा। इस केंद्र के तहत एक समता समिति बनाई जाएगी, जिसकी अध्यक्षता संस्थान के प्रमुख करेंगे। इस समिति में वरिष्ठ शिक्षक, सिविल सोसायटी के सदस्य और छात्र शामिल होंगे। यह समिति भेदभाव से जुड़ी शिकायतों की जांच करेगी। नए नियमों के हिसाब से प्रत्येक संस्थान को एक चौबीसों घंटे उपलब्ध समता हेल्पलाइन चलानी होगी। अगर किसी छात्र, शिक्षक या कर्मचारी को लगे कि उसके साथ भेदभाव हुआ है तो वह हेल्पलाइन, ऑनलाइन पोर्टल या समान अवसर केंद्र को ईमेल के जरिए शिकायत दर्ज कर सकता है। अनुरोध करने पर शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई के समय मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की खंडपीठ ने सुझाव दिया कि इन नियमों की समीक्षा प्रख्यात विधिवेत्ताओं की एक समिति द्वारा की जानी चाहिए, ताकि सामाजिक मूल्यों, परिसरों के माहौल और समाज पर पड़ने वाले व्यापक प्रभावों पर गंभीरता से विचार किया जा सके। खंडपीठ ने केंद्र सरकार और युजीसी को नोटिस जारी करते हुए जवाब दाखिल करने को कहा है। मामला 19 मार्च को फिर सूचीबद्ध होगा। तब तक यूजीसी की 2012 की नियमावली लागू रहेगी। सर्वोच्च न्यायालय ने सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने 2026 नियमों को लेकर कई अहम सवाल उठाए। सवालों में नियमों की भाषा अस्पष्ट है और इनके दुरुपयोग की संभावना है। जब भेदभाव की परिभाषा पहले से मौजूद है, तो जाति-आधारित भेदभाव को अलग से परिभाषित करने की आवश्यकता क्यों है? रैगिंग को इन नियमों के दायरे से बाहर क्यों रखा गया है, जैसे प्रश्न सम्मिलित थे।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि हम आज कोई अंतिम आदेश नहीं देना चाहते। लेकिन, यह जरूरी है कि कुछ प्रख्यात विधिवेत्ताओं की एक समिति बने, जो यह समझे कि समाज किन समस्याओं से जूझ रहा है और ऐसे नियमों का कैंपस और समाज पर क्या असर पड़ेगा।

याचिकाकर्ताओं की दलीलें इन नियमों को चुनौती देने वाली याचिकाएँ मृत्युंजय तिवारी, अधिवक्ता विनीत जिंदल और राहुल दीवान द्वारा दायर की गई हैं। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कहा कि नियम 3(1)(सी) में जाति-आधारित भेदभाव को केवल एससी/एसटी/ओबीसी के खिलाफ भेदभाव तक सीमित कर दिया गया है, जबकि सामान्य वर्ग के साथ होने वाले भेदभाव को इसमें शामिल नहीं किया गया। उन्होंने तर्क दिया कि जब नियम 3(1)(ई) में भेदभाव की एक व्यापक परिभाषा पहले से मौजूद है, तो अलग से जाति-आधारित भेदभाव की परिभाषा संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता के अधिकार) का उल्लंघन करती है। इस पर मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सवाल उठाया कि क्या नियम 3(1)(ई) सभी प्रकार के भेदभाव को कवर कर सकता है। जैसे उत्तर भारत में पढ़ने वाला दक्षिण भारत का छात्र या इसके उलट, जिसे उसकी पहचान के आधार पर अपमानित किया जाए। रैगिंग और सामाजिक विभाजन पर चिंता एक अन्य अधिवक्ता ने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि सामान्य वर्ग का कोई नया छात्र किसी अनुसूचित जाति के वरिष्ठ छात्र द्वारा रैगिंग का शिकार होता है, तो मौजूदा नियमों में उसके पास कोई प्रभावी उपाय नहीं है। उसके खिलाफ उल्टा मामला दर्ज होने का खतरा है।

मुख्य न्यायाधीश ने इस पर सवाल उठाया कि जब कैंपस में अधिकांश उत्पीड़न सीनियर-जूनियर विभाजन के कारण होता है, तो रैगिंग को नियमों से बाहर क्यों रखा गया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने यह भी कहा हमने जातिविहीन समाज की दिशा में जो भी प्रगति की है क्या अब हम फिर से पीछे की ओर जा रहे हैं? उन्होंने अलग-अलग जातियों के लिए अलग हॉस्टल जैसी व्यवस्थाओं पर भी कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा भगवान के लिए ऐसा मत कीजिए। हम सब साथ रहते थे, आज अंतरजातीय विवाह भी हो रहे हैं। न्यायालय की समग्र चिंता न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने कहा कि भारत की एकता और समरसता शैक्षणिक संस्थानों में झलकनी चाहिए। उन्होंने कहा 'अनुच्छेद 15(4) राज्य को एससी/एसटी के लिए विशेष प्रावधान बनाने की अनुमति देता है। लेकिन यदि 2012 के नियम अधिक समावेशी थे, तो अब पीछे क्यों जाया जाए? पीछे न लौटने का सिद्धांत भी लागू होता है।

नियमों का बचाव वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने किया। वे 2019 की उस जनहित याचिका में पेश हुई थीं जिसके चलते ये नियम बने थे। हालांकि पीठ ने उनसे भी कहा कि नियमों की भाषा अत्यधिक अस्पष्ट है। इन्हें पुनर्गठित किए जाने की आवश्यकता हो सकती है। मामले की पृष्ठभूमि युजीसी ने ये नए नियम 2019 में दायर उस जनहित याचिका के बाद बनाए थे, जिसे रोहित वेमुला और पायल तड़वी की माताओं ने दाखिल किया था। दोनों छात्रों ने कथित जातिगत भेदभाव के कारण आत्महत्या कर ली थी। 2025 की शुरुआत में सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र से कहा था कि वह कैंपस में जातिगत भेदभाव से निपटने के लिए एक मजबूत और प्रभावी तंत्र बनाए। हितधारकों के सुझावों के बाद यूजीसी ने जनवरी 2026 में ये नए नियम अधिसूचित किए, जिससे 2012 के नियम निरस्त हो गए थे। हालांकि, अब ये नियम कुछ वर्गों द्वारा सामान्य वर्ग के खिलाफ भेदभाव बढ़ाने का आरोप लगाकर चुनौती दिए जा रहे हैं। आरक्षित वर्ग इनके किसी भी तरह की वापसी का विरोध कर रहे हैं।

महाकाल-अंतिम

राजशेखर व्यास

'महाकाल' शब्द प्रयोग पर व्यापक शोध की आवश्यकता है

महान विचारक लेमेन्राइस के अनुसार, जो सचमुच प्रेम करता है उस मनुष्य का हृदय धरती पर साक्षात स्वर्ग है। ईश्वर उस मनुष्य में बसता है, क्योंकि ईश्वर प्रेम है। दार्शनिक लूथर के विचार हैं कि प्रेम ईश्वर की प्रतिमा है और निष्प्राण प्रतिमा नहीं, बल्कि दैवीय प्रकृति का जीवंत सार है जिससे कल्याण के गुण छलकते रहते हैं। मनोवैज्ञानिक वेंकर्ट का मत है, प्यार में व्यक्ति किसी ऐसे व्यक्ति की कामना करता है, जो एक स्वतंत्र व्यक्ति के रूप में उसकी विशेषता को कबूल करे, स्वीकारे और समझे! उसकी यह इच्छा ही अक्सर पहले प्यार का कारण बनती है। जब ऐसा शख्स मिलता है तब उसका मन ऐसी भावनात्मक संपदा से समृद्ध हो जाता है, जिसका उसे पहले कभी अहसास भी नहीं हुआ था।

मथुरा'; वास्तव में दक्षिण की 'मदुरा' नगरी हैः जहां कन्याओं के प्रदेश के पाण्डय राज्य की इतिहास प्रसिद्ध राजधानी रही है। क्लिसबुरा और ऐबोनी की व्याख्या में ग्रीक के अनुवादक भूल कर बैठे हैं। क्लिसबुरा वास्तव में क्षिप्रा का ग्रीक रूप है और ऐबोन्नी 'अवन्ती' का शुद्ध अर्थ यह है कि दूसरी राजधानी ऐबोत्री है, जिसके पास बिलसबा नदी बहती है। हरकुले (स) 'हरिकुल' (सूर्यवंश) का ग्रीक रूप है और दायोनीस (स) ' दिनेश' का। हरकुले और दद्योनीस से ध्वनि साम्य होने के कारण मेगस्थनीज ने ये रूप स्वीकृत किये। सिकन्दर से लोहा लेने वाले 'शिवि' लोग सूर्यवंशी थे। यह कथा सरित्सागर से स्पष्ट है। अतः शैववाद की कल्पना व्यर्थ है। सौरसेन भी 'शूरसेन' से संबद्ध नहीं, सूर्योपासक (सौरसेन) हैं। इस प्रकार मेगस्थनीज के उद्धरण का स्पष्ट अर्थ यह है कि हरिकुलों की दो राजधानियाँ हैं। एक मदुरा और दूसरी क्षिप्रा के किनारे अवन्ती में। मदुरा में पांडय रानी का राज्य है। वह दिनेश से पन्द्रह पीढ़ी बाद हुई। शिवि लोग भी हरिकुल के ही हैं। मेगस्थनीज ने जिस कथा को सुना था, उसकी घटना इतिहास सम्मत भी है और प्रतीकात्मक भी। सूर्य उज्जयिनी में कर्कस्थ होता है और मदुरा में कन्या राशि पर।

परन्तु अब यह प्रश्न उपस्थित होता है कि विक्रमादित्य की इस कहानी के माध्यम से ज्योतिष के विषय स्पष्ट करने का प्रयास भारत के कवि वर्ग ने क्यों किया। पातंजलि के 'महाभाग्य' और सोमदेव के 'कथा-कथा सरित्सागर' आदि ग्रंथों को देखने से इस विषय पर कुछ प्रकाश पड़ता है। भारतीय शिक्षा शास्त्रियों में किसी समय बहुत बड़ा विवाद रहा है। एक वर्ग वैयाकरणों का था जो यह मानते थे कि विद्यार्थी को सर्वप्रथम व्याकरण का अध्यापन कराया जाये तथा ज्ञान-विज्ञान की भाषा को नियन्त्रित रखा जाये और उसमें अन्तर न होने दिया जाए, इस प्रकार के व्याकरणों के प्रयत्न के फलस्वरूप 'संस्कृत' 'अमरवाणी' का जन्म हुआ जो लगभग अढ़ाई हजार वर्षों तक भारत के ज्ञान-विज्ञान की भाषा रही है और जिसमें विविध शास्त्रों का प्रणयन होता रहा। पातंजलि के अनुसार

परिवर्तनशील भाषा की गड़बड़ से घबरा कर देवताओं के इन्द्र से प्रार्थना की कि भाषा को नियन्त्रित किया जाये और इन्द्र ने सर्वप्रथम व्याकरण बनाकर उसका अनुशासन कर दिया।

दूसरा वर्ग ऐसे लोगों का था जो भाषा को नियमों से बांधने के पक्ष में नहीं थे, उनका कहना था कि रूक्ष भाषा और नीरस गद्य खंडों में व्याकरण बनाने की आवश्यकता नहीं है। विषय का प्रतिपादन मन्य और मनाइर स्थात्मक पद्यवद्ध गति में किया जाना चाहिय जिससे पाठक का विषय का ज्ञान भी हो जाये तथा अध्ययन में उसकी रूचि भी बनी रहे।

परन्तु खेद की बात है कि इनमें नौरंजकतावादी शिक्षा

शास्त्रियों ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि कथा का मनोरंजक अंश पढ़ते समय पाठकों का मन केवल उसके रंजक अंश में ही लीन रहता है और वह अन्योक्ति के रूप में व्यक्त किये हुए ज्ञान को समझ ही नहीं पाता था। 'बृहत्कथा' में संभवतः ज्योतिष, भूगोल, इतिहास आदि अनेक विषयों का मनोहर कथाओं का समावेश किया गया था, परन्तु परवर्ती पाठकों के लिये वह मनोहर कथा मात्र रह गई। वत्सराज उदयन, विक्रमादित्य आदि की कथा सर्वप्रथम बृहत्कथा में लिखी गयी थी और उनके द्वारा ज्योतिष के तथ्यों का प्रतिपादन किया गया था। ऐसा लगता है कि बृहत्कथा के काल का ज्योतिष शास्त्र बहुत बढ़ा-चढ़ा था। उसके बाद एक बहुत लम्बा समय भारतीय ज्योतिष के पतन का आया, जिस काल का कोई ग्रंथ इस समय विद्यमान नहीं है। इसीलिए 'स्टैण्डर्ड टाइम' के अर्थों में किसी प्रयुक्त होने वाले 'महाकाल' शब्द का प्रयोग वर्तमान युग में प्राप्त किसी ज्योतिष शास्त्र के ग्रंथ में नहीं मिलता। यद्यपि उज्जैन का उदयकाल ही उन सब में भी प्रमुख उदयकाल माना गया है। 'स्टैण्डर्ड टाइम' के अर्थों में जिस समय महाकाल शब्द का प्रयोग होता था, उस समय के ज्योतिषशास्त्र के विषय में बहुत अधिक अन्वेषण की आवश्यकता है। 'कथा सरित्सागर' और 'बृहत्कथा मंजरी' आदि की कहानियों के आधार पर ज्योतिष शास्त्र, भूगोल, इतिहास आदि के अनेक तथ्यों का शोध किया जा सकता है।

आशा है विद्वान लोग इस दिशा में कार्य करेंगे और भारतीय ज्योतिष के उस विस्मृत 'महाकाल' को पुनः प्रकाश में लायेंगे। इस प्रकार के अन्वेषण से यह भी सिद्ध हो पायेगा कि संस्कृत राशि-नामावली शुद्ध भारतीय है, ग्रीक शब्दावली का अनुवाद नहीं। वास्तव में ग्रीक नामावली ही अनुवाद है। यह भी विदित होगा कि भारतीय कथाओं की बहुत सी नामावलियां वास्तव में परिभाषित शब्दों की बोधक हैं। इससे हमारे सांस्कृतिक समृद्धि का उद्घाटन भी होगा।

टिप्पणी : पूज्य पिता की तमाम शोध के खिलाफ जाते मेरे इसी शोध को आधार बनाकर वर्ष 2000-2001 में हिन्दी -अंग्रेजी में भारतीय दूरदर्शन ने अपने अन्तरराष्ट्रीय प्रसारण हेतु 'काल' (हिन्दी) और ' द टाइम (अंग्रेजी) में श्री राजशेखर व्यास के निर्माण , निर्देशन, लेखन में दो वृतचित्रों का प्रसारण किया, जिसे संसार के लगभग चौवन देशों से अनेक राष्ट्रीय राजनेता, विद्वानों से, महापुरूषों में असाधारण प्रशंसा व सराहना मिली। इन फिल्मों का अब तक भारतीय दूरदर्शन पर अनेकों बार प्रसारण भी हो चुका है।

जीवन क्रम

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

फिरकी सी दौड़ती-भागती रहती है जिंदगी

हवा, फिरकी और जीवन सब एक दूसरे के साथ जुड़े हुए हैं। यह जीवन क्रम है जीवन के एक क्रम में हम सब फिरकी के साथ ही चलते रहते हैं हो सकता है यह बात सबको न समझ में आए या फिरकी ही जीवन रथ है जो जीवन को खींच रहा है इसे जानने में ही बहुतों का जीवन ही बीत जाता है। फिरकी हमारे होने की उपस्थिति, हमारे सांसारिक होने की कहानी और संसार में अपनी उपस्थिति को बताने के लिए ही जैसे फिरकी घूमती हों, यहां हर कोई फिरकी को घूमते देखता है और स्वयं भी इस क्रम में फिरकी सा हो जाता है। फिरकी हो जाना बचपन में चले जाना है। आदमी को यदि जीना है और बढ़िया से जीना है तो अपने भीतर एक बच्चे को हमेशा रखकर चलना चाहिए। ठीक है आप बड़े हो गए, जिम्मेदारी आ गई, बड़े पद पर हैं पर इन सबके साथ है आपके भीतर एक मानुष मन है जो बड़ा होने से पहले हमेशा बच्चा बना रहना चाहता है और यह भी सच है कि यह बच्चा दुनिया के लिए जीने का हर दिन नया नया अर्थ भी खोजता जाता है। जिंदगी जीने के क्रम में जिसके पास बच्चा नहीं है वह कहां जी पाता है दुनिया और दुनिया को बिना जीये हुए दुनिया में भला होने का क्या अर्थ, इसीलिए तो कहते हैं कि आप कहीं जाएं किसी भी दुनिया में हों अपने साथ अपने बच्चे से मन को भी लें चलें, यूं ही जबरदस्ती बूढ़े हो जाने का भ्रम न बनाएं। जब आप बच्चे की तरह उत्साहित होते हैं सच में आपके भीतर खुशी का समंदर उठ पड़ता है जो कहता है कि जी लो दुनिया को यह जीना ही जीवन और दुनिया है। सड़क पर जब हम सब निकलते हैं तो दुनिया और जिंदगी फिसलते हुए ही आ जाती है। यह आप पर है कि आप दुनिया को देख रहे हैं कि नहीं। आप नहीं भी देख रहे हैं तो कोई बात नहीं, दुनिया को देखने वाले हर समय मौजूद रहते हैं कोई न कोई देख रहा होता है और इस तरह से देखें जाने के क्रम में दुनिया आ जाती है। आज कुछ इस तरह से एक दुनिया आंखों के आगे आ गई, गाड़ी चल रही है और सामने ही फिरकी वाला फिरकी लेकर खड़ा है। उन्हें देखते ही बगल में बैठे साथी डॉ. रामावतार सागर को बोला कि गाड़ी रोकिए यह फिरकी है, इसमें रंग है और जीवन की गति है । हो सकता है कि फिरकी केवल बच्चों की ही पसंद हो पर ऐसा नहीं है बड़े भी फिरकी में जीवन को देखते हैं और इस तरह से पूरा जीवन दर्शन ही आंखों के आगे घूमते हुए आ जाता है। जब फिरकी लेने के लिए आगे बढ़ते हैं तो वहीं बच्चों जैसा उत्साह सामने आ जाता है। फिरकी एक लेते हैं फिर दूसरे और तीसरे और चौथे फिरकी उनकी फिरकी वाली दुनिया में जो रंग

और आकृति है वह सब ले लेते हैं, इस बीच देखता हूं कि बहुत सारे लोग रुक जाते हैं और सब फिरकी लेने लगते हैं देखते देखते बड़ी संख्या में फिरकी बिक जाती है और फिरकी वाले रामू खुश कि आज एक साथ ही बहुत सारी फिरकियां बिक गई । उनके चेहरे पर जो खुशी है वह बच्चों की दुनिया की निश्छल खुशी और प्रेम सा ही है। यह फिरकी जीवन और दुनिया का अर्थ समझाने के लिए है। फिरकी को देखते हैं तो जीवन का पूरा दर्शन ही सामने आ जाता है। फिरकी कहती है कि रुकना नहीं है बस चलते जाना है । यह चलना ही सब कुछ है । जीवन में हर किसी के लिए बस चलते जाना ही जीवन है यदि आप रुक गये तो समझ लीजिए कि सब कुछ रुक गया। जीवन रुकने का नाम नहीं है। फिरकी जीवन की दौड़ है और जीवन भी है । फिरकी के साथ जीवन पथ पर दौड़ते ही जाते हैं । यदि आप दौड़ नहीं सकते तो जीवन में कहां हैं क्या कर रहे हैं यह सब समझ में आता ही नहीं। फिरकी को देखकर सच में हम जिंदगी को न केवल जीते हैं बल्कि जीवन को सही ढ़ंग से जीने लगते हैं। फिरकी जीवन का बिंब इस तरह से रचती है कि सबकुछ जिंदगी के रंग में ही रंग जाती है। यह दुनिया इसी तरह चलती रहती है। बच्चों को जब हम फिरकी के साथ भागते देखते हैं तो बच्चे ही हो जाते हैं । आप देखेंगे की फिरकी चल पड़ी है थोड़ी सी हवा थोड़ा सा जीवन और चल पढ़ने की ज़िद यहीं है दुनिया और इसी दुनिया को हम सब फिरकी की तरह से जीना चाहते हैं। यह दुनिया फिरकी के सहारे घूमती रहती है । आप कुछ करें या ना करें पर यह तय है कि जीवन में एक फिरकी सा पर बनाते हुए चलना ही होता है। हर कोई फिरकी की तरह ही जीवन पथ घूमता रहता है। फिरकी हमें लगातार चलने रहने की , आगे बढ़ते रहने की और घूमते रहने की सीख देती है । फिरकी एक सोच देती है कि एक जगह पर रुक नहीं जाना है चलते जाना है। यह चलते जाना है जीवन का सत्य है। जीवन का हिसाब किताब आदमी फिरकी के रंग में देखता है। यहां केवल रंग नहीं है, गति है और दुनिया जीवन की तरह ही घूमते हुए आ जाता है। आदमी फिरकी के साथ दुनिया को देखता रहता है । हर कदम पर हमें बस चलते रहते हैं । रुकना नहीं है चलते जाना है। पृथ्वी पर हर कदम पर चलते हुए ही हम सब जिंदगी की कहानी लिखते जाते हैं।

हरसोला महू ने अपने नाम की बख्तावर ट्रॉफी व नगद राशि

दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का समापन

धार। अमर बलिदानी महाराव बख्तावर सिंह की स्मृति में दो दिवसीय ओपन कबड्डी प्रतियोगिता के आयोजन में हरसोला महू की टीम ने बख्तावर ट्राफी अपने नाम की केसरी कबड्डी क्लब व दादा राम पेनल के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में दो दिन में कुल 14 टीमों ने हिस्सा लिया। हरसोला, देपालपुर, बेरछा, कुनगारा, पेटलावद जुना पानी, कैली, धार, सरदारपुर अमझेरा, बिछिया, टाइगर क्लब, सांई क्लब ने अपने बेहतरीन कबड्डी खेल का प्रदर्शन करते हुए उपस्थित दर्शकों को खूब रोमांचित किया। अंतिम दिन में दुसरे राउंड में दो मुकाबले के बाद चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंची जिसमें पहला सेमीफाइनल देपालपुर व कुनगारा के बीच रोचक मुकाबला हुआ जिसमें पहले हाफ के बाद देपालपुर ने अपने हाथ खोलते हुए कुनगारा को पराजित किया। दूसरा सेमीफाइनल हरसोला महू व बेरछा के बीच मुकाबला हुआ जिसमें हरसोला ने एकतरफा मुकाबले में बेरछा को पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल मुकाबले में पधारे सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें शुभकामनाएं दी। फाइनल मुकाबले में दो मजबूत टीमों का मुकाबला बहुत ही रोमांचक रहा जिसमें दोनों टीमें 2 से तीन पाइंट के मामुली अंतर से आगे पीछे होती रही 30 मिनट में दोनों टीमों ने मैच में अपना संपूर्ण खेल कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को कबड्डी की तमाम दावपेंचो से परिचित कराया अंतः हरसोला ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए देपालपुर को 3 पाईंट के अंतर से हराया व विजेता का खिताब अपने नाम किया।

इस मुकाबले में अतिथि के रूप में प्रदेश महामंत्री किसान मोर्चा दिलीप पटोदिया,भाजपा जिला उपाध्यक्ष रोमा मंडलोई, सरपंच मनुबाई मकवाना, भाजपा जिला मंत्री कमल यादव, पूर्व भाजपा संभागीय सह मीडिया प्रभारी ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, वरिष्ठ नेता राजेन्द्र गर्ग, धर्मेन्द्र मंडलोई, शिवा मकवाना, डॉ सुशांत बहादुर, रवि पाटीदार, प्रकाश गामड, सहित धार के वरिष्ठ पत्रकार अविनाश शर्मा, नवीन मेहर, अमित वर्मा सहित पंडित सुदर्शन पारीक एवं मैच रैफरी भुपेन बोस व मुकेश (जोंटी) का आयोजन समिति ने साफा बांधकर व केसरिया दुपट्टे से स्वागत किया। विजेता टीम को नगद पुरस्कार राशि 31000/ व बख्तावर ट्राफी दी गई व उपविजेता टीम को नगद 11000/ व ट्राफी दी गई विजेता टीम को नगद पुरस्कार पुनालाल मुनिया व अर्पित शर्मा द्वारा व बख्तावर ट्राफी स्वर्गीय नारायण राठौड़ की स्मृति में उनके परिवार जनों के द्वारा दी गई। उपविजेता टीम को नगद पुरस्कार राशि धार न्यूज चैनल परिवार की और से दी गई।

कार्यक्रम का संचालन निशिथ पंडित द्वारा किया गया मैच में स्कोर एवं लाईन अंपायर की भूमिका केसरी कबड्डी क्लब द्वारा एवं कमेंटेटर में मुख्य रूप से विजय सोलंकी व अपूर्व शर्मा उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन शिवा मकवाना द्वारा किया गया।

धारेश्वर लोक के सत्संग भवन का वैदिक रीति से पूजन कर निर्माण कार्य प्रारंभ

धार। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर धारेश्वर लोक के सत्संग भवन का पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा एवं धार विधायक श्रीमती नीना विक्रम वर्मा द्वारा वैदिक रीति से पूजा कर निर्माण कार्य का श्रीगणेश किया। धारेश्वर मंदिर प्रांगण में 3 करोड़ की लागत से बनने वाले सत्संग भवन भूमि पूजन अवसर पर वरिष्ठ नेता डॉ. शरद विजयवर्गीय, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, धार नगर भाजपा अध्यक्ष द्वय विशाल निगम एवं जयराज देवड़ा, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष कालीचरण सोनवानिया, आरती मंडल के सदस्य कुलदीप सिंह बुंदेला, योगेश अग्रवाल, विक्की जैन, प्रमोद सेनापति, दिनेश सोनी,पूनम चंद फकीरा, प्रवीण अग्रवाल, मोहित तातेड़, राजेश हारोड़,अंकित वर्मा, मंजुला बघेल, प्रतिभा शर्मा सहित अन्य गण्मान्य नागरिक मौजूद रहे।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय के तत्वावधान में त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव संपन्न

सोहागपुर। प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय जयमल सिंह कॉलोनी स्थित उपसेवा केंद्र के तत्वावधान में त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव 90 वें वर्ष पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम वरिष्ठ पत्रकार हीरालाल गोलानी के आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सोहागपुर सेवाकेंद्र की संचालक एवं राजयोगिनी बी.के.अनीता दीदी जी ने अपने विस्तृत वर्णन परमात्मा शिव के अवतरण एवं महाशिवरात्रि पर्व के आध्यात्मिक रहस्य को स्पष्ट रूप से समझाया। आपने कार्यक्रम को आगे विस्तार देते उपस्थिति दीदियों, नागरिकों को संदेश दिया कि व्यसन मुक्ति एवं नशामुक्ति से ही जीवन जीने का संदेश देकर कहा हमें दोनों व्यसनों से दूर रहकर ही जीवन सार्थकता की ओर अग्रसर होता है। कार्यक्रम में भगवान् शिव एवं माता पार्वती स्वरूप पात्रों को अग्रिम पंक्ति में स्थान प्रदान किया गया था। इसके पूर्व शिवलिंग पर बेलपत्र, पुष्प अर्पित किए गए। वहीं उपस्थित जनों ने दीप प्रज्वलित किया। सभी नागरिकों एवं दीदियों को हाथों में संस्थान का झंडा प्रदान किया गया। इसी अवसर प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय संस्थान पर अतिथि वरिष्ठ पत्रकार हीरालाल गोलानी की उपस्थिति में ब्रह्माकुमारी संस्थान का ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सोहागपुर संस्थान संचालक बी के अनिता के अलावा,बीके कमलेश मालवीय,बीके ब्रजमोहन भाई, बीके हर्षित भाई, बीके सीमा बहन आदि कई नागरिक एवं दीदियां उपस्थित थे। कार्यक्रम संचालकों ने अतिथि पत्रकार हीरालाल गोलानी को स्मृति चिन्ह एवं प्रसाद प्रदान किया। अंत में सभी उपस्थित जनों को प्रसाद वितरित किया गया।

हरि ओम बाबा क्लब ने निकाली आकर्षक भगवान भोलेशंकर की बारात, खूब नाचे बाराती

सोहागपुर। प्रतिवर्षानुसार इस साल भी नवीन बस स्टैंड से हरि ओम बाबा क्लब के तत्वावधान में विशाल आकर्षक भगवान् भोलेशंकर की बारात निकाली गई। इस बारात में नंदीश्वर पर बैठे भोलेनाथ की प्रतिमा को ट्रेक्टर ट्राली पर बैठाया गया था। दूसरे ट्रैक्टर ट्राली में शिव पार्वती के स्वरूप को ऊंचे रथ में बैठाया गया था। वहीं डीजे की धुन की मस्ती से भरे युवक नृत्य कर चल रहे थे। वहीं बड़े बड़े भालू एवं हिम वानरों के अलावा भोलेनाथ आदि गण भी नाचते गाते बरात में शामिल थे। इसके अलावा हरिओम बाबा क्लब ने बरात में नाच करने वाले घोड़े को भी बरात में शामिल किया था। जो घोड़े के मालिक के इशारों पर नृत्य कर रहे थे। न्यायालय चौराहा पर कांग्रेस जनों के अलावा कई धार्मिक संगठनों ने भोलेनाथ की बारात का स्वागत किया। हरिओम बाबा क्लब ने मुख्य बाजार, न्यायालय चोराहे पर जमकर आतिशबाजी की जिसकी आवाज दूर दूर तक पहुंची रही। भोलेनाथ की बरात नवीन बस से प्रारंभ हुई जो पलकमती नदी पुल से निकली। इस कारण सैकड़ों वाहनों का काफिले को न्यायालय चौराहा पर तैनात एएसआई गणेश राय, हेड कांस्टेबल विनोद नागर आदि ने भोलेनाथ की बरात में विघ्न उत्पन्न न होने के कारण रेल्वे स्टेशन रोड पर डाईवर्ड किया है।इन वाहनों में अधिकांश पचमढ़ी से महाराष्ट्र के वाहन रोक रहे थे। इसके कारण पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। झूमते-गाते नाचते भोलेनाथ की बरात शिवालय परिसर में संपन्न हुई।

3 हजार 479 विद्यार्थियों ने दी 10 वीं, 12वीं बोर्ड परीक्षा

बैतूल। माध्यमिक शिक्षा मंडल मप्र भोपाल द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षा-2026 के तहत शनिवार को जिले में कक्षा 10वीं और 12वीं का एनएसबीएफ समग्र विषयों का प्रश्नपत्र शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा के लिए जिले में 55 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। जिनमें कुल 3 हजार 538 परीक्षार्थी दर्ज थे। इनमें से 3 हजार 479 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 59 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए अधिकारियों ने 12 परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।

ई-टोकन से किसानों को खाद लेने में आ रही परेशानी

स्मार्टफोन नहीं होने और नेटवर्क नहीं होने की समस्या में उलझे किसान

एस. द्विवेदी, बैतूल। जिले में खाद के लिए ई-टोकन व्यवस्था लागू की गई है, ताकि किसानों को सोसायटियों के सामने लंबी लाइन और भीड़ का सामना न करना पड़े। लेकिन यह व्यवस्था तकनीकी अड़चनों के कारण किसानों के लिए परेशानी बन गई है। सबसे बड़ी परेशानी किसानों के पास स्मार्टफोन और गांवों में नेटवर्क की समस्या है। किसानों का कहना है कि ई-टोकन लेने के लिए स्मार्टफोन और इंटरनेट की जरूरत पड़ती है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में कई किसानों के पास स्मार्टफोन नहीं हैं, जिनके पास स्मार्टफोन है, वहां नेटवर्क की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। कई गांवों में इंटरनेट सिग्नल कमजोर होने से पोर्टल खुलने में ही काफी समय लग जाता है। सर्वर स्लो चलने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं, जिससे टोकन बुक करने की प्रक्रिया बीच में ही अटक जाती है। इन्हीं तकनीकी परेशानियों के कारण किसान समय पर टोकन नहीं ले पा रहे। जारी टोकनों में भी कई किसानों के टोकन समय सीमा निकलने से एक्सपायर हो रहे, क्योंकि वे निर्धारित स्लॉट पर पहुंच ही नहीं सके। उल्लेखनीय है कि जिले में किसानों को खाद वितरण के लिए भीड और अव्यवस्था से बचाने के उद्देश्य से विगत 11 जनवरी से ई-टोकन व्यवस्था लागू की गई थी, लेकिन स्मार्टफोन या नेटवर्क की समस्या की वजह से यह व्यवस्था तकनीकी अड़चनों में उलझती नजर आ रही है।

अब तक 3923 किसानों के ई-टोकन जारी- जिले में करीब 2 लाख 47 हजार किसान है, जबकि अब तक केवल 3923 किसानों के ही ई-टोकन जारी हो पाए हैं। इसमें से भी कम ही किसानों ने खाद उठाई है। किसानों का कहना है कि जब तक गांव स्तर पर ऑफलाइन व्यवस्था, हेल्पडेस्क या पंचायत स्तर पर टोकन सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जाएगी, तब तक बड़ी संख्या में किसान इस प्रणाली का लाभ नहीं ले पाएंगे, क्योंकि अधिकांश किसान डिजिटल प्रणाली से कोसो दूर है। किसानों के पास स्मार्टफोन नहीं है, और नेटवर्क की समस्या भी है। अधिकांश किसानों को डिजिटल प्रणाली का ज्ञान ही नहीं है। जिसकी वजह से ई-टोकन के लिए उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यदि ई-टोकन जारी भी हो रहे है तो समय सीमा निकलने यानि 72 घंटे में ई-टोकन एक्सपायर हो जाते हैं। नतीजा यह हुआ कि कम संख्या में किसानों ने ही ई-टोकन के जरिए खाद उठा पाये है।

जिले में 3.52 लाख हेक्टेयर रकबा - जिले का कुल कृषि रकबा लगभग 3 लाख 52 हजार हेक्टेयर है। रबी सीजन में गेहूं, चना और अन्य फसलों के लिए खाद की मांग अधिक रहती है। ऐसे में डिजिटल व्यवस्था का उद्देश्य तो अच्छा था, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि तकनीकी संसाधनों की कमी और नेटवर्क बाधाओं के कारण जरूरतमंद किसान ही पीछे छूट रहे हैं। कृषि विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 12 जनवरी से 11 फरवरी 2026 के बीच जारी रिपोर्ट के अनुसार कुल 3923 टोकन जारी किए गए। इनमें से 2477 किसानों ने टोकन पर खाद प्राप्त की, जबकि 357 टोकन पेंडिंग रह गए और 1089 टोकन एक्सपायर हो गए। यानी 1089 किसानों के कूपन तो जारी हुए, लेकिन उन्होंने खाद नहीं उठाई और समय सीमा बीत जाने के बाद यह एक्सपायर हो गये। जिसके बाद किसानों को खाद लेने के लिए दोबारा प्रक्रिया पूर्ण कर टोकन लेना पड़ेगा।

801 मीट्रिक टन बिका खाद - ई टोकन से खाद बिक्री पर नजर डाले, तो कुल 17,221 वेग यूरिया की बिक्री दर्ज की गई, जो लगभग 774.95 मीट्रिक टन के बराबर है। इसके अलावा डीएपी के 76 बैग, एमओपी के 134 वेग, एसएसपी के 12 बेग, एनपीके के 131 बैग और टीएसपी के 79 बैग की बिक्री दर्ज हुई। कुल मिलाकर लगभग 801.55 मीट्रिक टन खाद का वितरण हुआ। कृषि विभाग बैतूल के उप संचालक आनंद बड़ोनिया का कहना है कि खाद लेते समय अगर कहीं कोई परेशानी है तो उसे दूर किया जाएगा। बता दे कि पूरे जिले में खाद की 347 दुकानें है। इन दुकानों से खाद लेने के लिए पहले किसानों को सुबह से लाइन में लगाकर खड़े रहना पड़ता था। कई बार दिनभर लाइन में लगने के बाद भी किसानों को खाद नहीं मिल पाता था, लेकिन एमपी कृषि पोर्टल से किसान ऑनलाइन ई-टोकन जनरेट कर सकते है। लेकिन इस व्यवस्था में भी नेटवर्क की समस्या बाधा बन रही है।

इनका कहना है - ई-टोकन से खाद की व्यवस्था पिछले माह ही शुरू हुई है। इस वजह से किसानों की संख्या अभी कम है। आने वाले समय में किसानों की संख्या बढेगी। कृषि रथ के माध्यम से भी प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

- आनंद बड़ोनिया, उप संचालक, कृषि विभाग बैतूल

शिवरात्रि पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया शिव पार्वती,हनुमान,राम, माता मंदिर में दर्शनार्थियों ने

सोहागपुर । नर्मदापुरम पिपरिया राज्य मार्ग 22 पर स्थित हनुमान मंदिर,शिव पार्वती मंदिर,राम मंदिर एवं माता मंदिर पर श्रद्धालुओं दर्शनार्थियों का प्रातः करीबन चार बजे से आगमन पूजन अर्चना के लिए प्रारंभ हो गया था। इसके पूर्व शिव पार्वती मंदिर में पुजारी माखनलाल शर्मा एवं शुभम शर्मा ने विशेष पूजन करके शिवरात्रि पर्व की पूजन का शुभारंभ किया। इधर प्रातः अनुविभागीय अधिकारी प्रियंका भल्लावी, एसडीओ पुलिस संजू चौहान,नगर निरीक्षक उषा मरावी आदि अधिकारियों ने पांच दिवसीय मेले का अवलोकन किया। प्रशासन ने एक संयुक्त पुलिस, राजस्व, स्वास्थ्य,नगर पंचायत, लोकनिर्माण विभाग आदि का सूचना केन्द्र बनाया था। इस केंद्र से निरंतर नागरिकों को सूचना दी जा रही थी। मेला परिसर में इस साल 5दिवसीय मेला आयोजित होने के कारण पिछले साल की तुलना में इस साल अधिक दुकानें लगी है। जिसमें बच्चों के खेल-खिलौनों से लेकर खाने पीने की दुकानों के अलावा मनोरंजन के लिए झूले लगाए गए हैं। मंदिर परिसरों में नागरिकों, मातृशक्ति, युवक, बच्चों का सुबह से निरंतर आवागमन होता रहा। शिव पार्वती मंदिर में श्रद्धालु भक्तों पुरूषों, एवं महिलाओं के लिए पृथक, पृथक-पृथक रास्ते बनाए गए थे। वहीं एएसआई गणेश राय अपने सहयोगियों पुलिस कर्मी एवं होमगार्ड के जवानों के साथ मंदिर परिसर के आस-पास मुस्तैद रहकर व्यवस्था में लगे हुए थे । उल्लेखनीय है नर्मदापुरम पिपरिया राज्य मार्ग 22 पर मंदिर स्थापित होने के कारण दुर्घटनाओं की संभावना रहती है। क्योंकि एक तरफ हनुमान मंदिर एवं शिव मंदिर है।तो दूसरी तरफ राम मंदिर एवं माता मंदिर स्थापित हैं। वहीं शिवरात्रि के कारण महादेव पचमढ़ी से महाराष्ट्र के श्रद्धालुओं के वाहनों की भारी संख्या निकलती रहती है। इस कारण पुलिस विभाग को माकूल इंतजाम करने पड़ते हैं।

गुदगत रोग शिविर में 580 मरीजों को मिला उपचार, 34 प्रमुख शल्य क्रियाएं हुईं

बैतूल। जिला आयुर्वेद चिकित्सालय टिकारी, बैतूल में गुदगत रोगों के मरीजों के लिए आयोजित विशेष चिकित्सा शिविर का समापन 14 फरवरी को नगर पालिका उपाध्यक्ष महेश राठौर की उपस्थिति में किया गया। यह शिविर जिला बैतूल कलेक्टर के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के सहयोग से आयोजित किया गया था। मरीजों का पंजीयन 26 दिसंबर से प्रारंभ हुआ तथा 5 फरवरी से विशेष शल्य शिविर का संचालन शुरू किया गया।शिविर में आयुर्वेदिक शल्य विशेषज्ञ डॉ. रवि चौकीकर ने बवासीर, फिस्टुला, भगंदर और फिशर जैसी समस्याओं से पीड़ित मरीजों का सफल उपचार किया। महिला आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. वर्षा उईके एवं डॉ. प्रियंका कासदे द्वारा महिला रोगियों की शल्य क्रियाएं की गईं। शिविर के दौरान विभागीय कर्मचारियों को भी प्रशिक्षण दिया गया।आयुष विभाग द्वारा आयोजित इस शिविर में कुल 580 मरीजों का पंजीयन कर चिकित्सा की गई।

कोरोना के बाद बंद पंचवेली एक्सप्रेस का ठहराव अब तक बहाल नहीं ; सैकड़ों यात्री रोज बस और इटारसी के भरोसे

50 आदिवासी ग्रामों और बंगाली कैंप-चोपना की जीवन रेखा भौंरा, फिर भी एक्सप्रेस से वंचित

बैतूल/ भौंरा। कोरोना कॉल में भौंरा में बंद हुई पंचवेली एक्सप्रेस अब तक बहाल नहीं हो सकी है। इसके कारण यात्रियों को परेशान होना पड़ रहा है। यात्री बसों से अपना सफर करने को मजबूर हैं। उल्लेखनीय है कि 50 से अधिक आदिवासी ग्रामों की जीवन रेखा माने जाने वाले ढोढरा मोहार भौंरा रेलवे स्टेशन पर आज भी लंबी दूरी की एक भी एक्सप्रेस ट्रेन नहीं रुकती। परिणामस्वरूप पुर्नवास क्षेत्र बंगाली कैंप चोपना सहित आसपास के गांवों के सैकड़ों यात्रियों को इटारसी, बैतूल, भोपाल और नागपंड्डुद्धर की यात्रा के लिए अतिरिक्त परेशानी झेलनी पड़ रही है। क्षेत्रीय सांसद दुर्गादास उइके ने 13 फरवरी को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र देकर ट्रेन क्रमांक 19343-19344 पंचवेली एक्सप्रेस का ढोढरा मोहार स्टेशन पर ठहराव बहाल करने की मांग की है। कोरोना काल से पहले इस ट्रेन का यहां स्टॉपेज था, जिसे महामारी के दौरान बंद कर दिया गया। पिछले तीन से चार सालों से क्षेत्र की जनता इसकी बहाली की मांग कर रही है।

मेमो ट्रेन का ठहराव, यात्रियों पर अतिरिक्त बोझ - वर्तमान में ढोढरा मोहार स्टेशन पर सिर्फ आमला इटारसी मेमो ट्रेन का ही स्टॉपेज है। लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को पहले बस से करीब एक घंटे में इटारसी,बैतूल पहुंचना पड़ता है। इसमें करीब 70 रुपए या उससे अधिक अतिरिक्त खर्च होता है। इसके बाद वे वहां से स्लीपर या अन्य लंबी दूरी की ट्रेन पकड़ते हैं। बंगाली कैंप चोपना पुर्नवास क्षेत्र के लोग रात में चलने वाली स्लीपर बस से इंदौर, भोपाल या नागपुर की लंबी दूरी की यात्रा करते हैं, जबकि दिन में छोटी दूरी की यात्रा के लिए भी उन्हें बस और इटारसी से ट्रेन का सहारा लेना पड़ता है।

मजदूर, छात्र और मरीज सबसे ज्यादा प्रभावित- क्षेत्र के अनेक मजदूर इंदौर काम के लिए जाते हैं। उन्हें या तो इटारसी से रात में चलने वाली ट्रेन पकड़नी पड़ती है या लंबी बस यात्रा करनी पड़ती है। छात्र उच्च शिक्षा के लिए भोपाल और इंदौर जाते हैं। सीधी ट्रेन सुविधा न होने से उनका समय और पैसा दोनों अधिक खर्च होता है। मरीजों को इलाज के लिए भोपाल, नागपुर या इंदौर जाना पड़ता है। बस से लंबी यात्रा स्वास्थ्य की दृष्टि से भी जोखिम भरी होती है। भाजपा नेता और जनपद सदस्य सुधीर नायक ने कहा कि पंचवेली एक्सप्रेस का ठहराव बहाल होने से पूरे क्षेत्र को बड़ी राहत मिलेगी। कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष ओमप्रकाश कावड़कर ने कहा, यह जनता की बुनियादी आवश्यकता है। चार सालों से मांग जारी है, अब ठोस निर्णय होना चाहिए। व्यापारी अजय मिश्रा,अश्वनी दुबे के अनुसार रेल सुविधा मजबूत होगी तो व्यापार और आवागमन दोनों को लाभ मिलेगा।

686.53 लाख की सड़क में गुणवत्ता पर सवाल

- **कछार,कोयलारी मार्ग पर जोड़ियांमऊ के पास पुलिया निर्माण को लेकर मतभेद**
- **एसडीओ ने दिए मानक अनुसार ऊंचाई बढ़ाने के निर्देश**

बैतूल/भौंरा। कछार से कोयलारी तक 4.20 किमी लंबाई की सड़क का निर्माण 686.53 लाख रुपए की लागत से किया जा रहा है, लेकिन निर्माण के बीच ही गुणवत्ता और मानकों को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। जोड़ियांमऊ ग्राम के पास बनाई जा रही दो पुलियाओं को लेकर ग्रामीणों ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन करते हुए निर्माण कार्य में अनियमितता के आरोप लगाए। ग्रामीणों का कहना है कि पहली पुलिया में ठेकेदार द्वारा पाइप को जमीन में अत्यधिक अंदर धंसा कर निर्माण किया जा रहा है, जिससे पुलिया की ऊंचाई कम हो जाएगी और बरसात के समय पानी सीधे खेतों में घुस सकता है। किसान हरि पटेल, बस्तीराम, जतिराम, रघु, रामविलास यादव, गणेश सहित कई ग्रामीणों ने आशंका जताई कि यदि पुलिया को तकनीकी मानकों के अनुसार ऊंचा नहीं बनाया गया, तो फसलों को भारी नुकसान हो सकता है। इसी मुद्दे को लेकर गांव के भीतर भी मतभेद की स्थिति सामने आई है। जहां अधिकांश ग्रामीण पुलिया को निर्धारित तकनीकी मापदंडों के अनुसार पर्याप्त ऊंचाई देकर बनाने की मांग कर रहे हैं, वहीं दो-चार ग्रामीण पाइप को नीचे स्तर पर ही रखकर निर्माण करने की बात कह रहे हैं। विरोध कर रहे ग्रामीणों का कहना है कि नियम के आधार पर पुलिया को ऊंचा बनाना आवश्यक है, ताकि जल निकासी सुचारू रहे और भविष्य में बाढ़ या पानी भराव की स्थिति न बने। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि दूसरी पुलिया, जो पहले से पंचायत द्वारा निर्मित थी, उसे तोड़कर नई पुलिया बनाने के बजाय ठेकेदार केवल मरम्मत कर कार्य पूरा करने का प्रयास कर रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि स्वीकृत प्रावधान के अनुसार नई पुलिया का निर्माण होना चाहिए, न कि पुराने ढांचे में सुधार कर औपचारिकता निभाई जाए। लगातार विरोध और शिकायतों के बाद लोक निर्माण विभाग के एसडीओ डी.एस. परमार ने शुक्रवार को मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। निरीक्षण के बाद एसडीओ परमार ने ठेकेदार को निर्देश दिए कि पुलिया को तकनीकी मानकों के अनुसार पर्याप्त ऊंचाई देकर बनाया जाए, ताकि जल निकासी की व्यवस्था प्रभावित न हो। साथ ही पंचायत की पुरानी पुलिया को पूरी तरह तोड़कर नियमानुसार नई पुलिया के निर्माण के निर्देश भी दिए गए। एसडीओ श्री परमार ने कहा कि ग्रामीणों की शिकायत पर तत्काल स्थल निरीक्षण किया गया है। जहां भी तकनीकी त्रुटि या मानकों से समझौता पाया जाएगा, उसे सुधारा जाएगा। पुलिया की ऊंचाई और जल निकासी व्यवस्था को लेकर स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा।

वहीं इस मामले को लेकर क्षेत्रीय विधायक गंगा सज्जन सिंह उइके को भी ग्रामीणों ने शिकायतें की थीं। इस पर विधायक ने विभागीय अधिकारियों को जांच कर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सर्वोपरि है। यदि निर्माण में लापरवाही या अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। ग्रामीणों की समस्या का स्थायी समाधान होना चाहिए। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच की मांग दोहराते हुए कहा है कि तकनीकी मानकों से किसी भी प्रकार का समझौता भविष्य में भारी नुकसान का कारण बन सकता है। विभागीय निरीक्षण के बाद सुधार की प्रक्रिया शुरू होने की बात कही जा रही है, लेकिन अब ग्रामीणों की नजर यह देखने पर टिकी है कि जमीन पर वास्तव में कितनी सख्ती से नियमों का पालन कराया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा के निर्देशानुसार सीएमएचओ ने बाड़ी में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का किया निरीक्षण

रायसेन (निप्र)। जिले में नागरिकों को शासकीय अस्पतालों और स्वास्थ्य केन्द्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं तथा उपचार मिले, इसके लिए कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा सीएमएचओ डॉ एचएन मांडरे को जिले में शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं का निरीक्षण करने और समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में सीएमएचओ डॉ एचएन मांडरे द्वारा बाड़ी में शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों से उनके इलाज और स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। इसके उपरांत उपस्थिति पंजी, दवाओं की उपलब्धता, प्रतिदिन इलाज हेतु आने वाले मरीजों की संख्या आदि की जानकारी लेते हुए डॉक्टर तथा स्वास्थ्य अमले को निर्देशित किया कि सभी समय से ड्यूटी पर उपस्थित रहें एवं यहां आने वाले मरीजों को बेहतर उपचार मिले। किसी भी प्रकार की परेशानी या अव्यवस्था ना हो। सीएमएचओ द्वारा पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के संबंध में भी जानकारी लेते हुए सभी पात्र नागरिकों के आयुष्मान कार्ड शीघ्र बनाए जाने के भी निर्देश दिए गए।

युवा संगम में 164 युवाओं का प्राथमिक चयन हुआ

हरदा (निप्र)। युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासकीय आई टी आई हरदा में गुरूवार को युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेंले का आयोजन किया गया। जिला रोजगार अधिकारी श्री लक्ष्मण सिंह सिलोटे ने बताया कि मेले में 5 कंपनियों ने भाग लेकर कुल 164 आवेदकों का प्राथमिक चयन कर ऑफर लेटर प्रदान किया। मेले में कुल 210 आवेदकों ने अपना पंजीयन कराया। युवा संगम में काउंसलर सुश्री ज्योति तिवारी ने 35 बालक बालिकाओं की काउंसलिंग भी की। मेले में 36 आवेदकों का अप्रेंटिसशिप हेतु चयन किया गया।

जिले में खनिज के अवैध उत्खनन व परिवहन के विरूद्ध कार्यवाही जारी

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन के निर्देशन में जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन व परिवहन के विरूद्ध रोकथाम की कार्यवाही लगातार जारी है। जिला खनिज अधिकारी सुश्री प्रगति सोनवाने ने बुधवार को खनिज के अवैध परिवहन के विरूद्ध कार्यवाही की। कार्यवाही के दौरान तहसील सिराली के ग्राम महेन्द्रगांव में जांच के दौरान डम्पर क्रमांक एमपी 47 जेडसी 6777 खनिज गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुये पाया गया। वाहन को चालक दीपक काजले पिता राम अवतार से जप्त कर पुलिस थाना सिविल लाईन हरदा में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया। इसी प्रकार ट्रेक्टर-ट्रॉली पॉवर ट्रेक नीला रंग माचक नदी महेन्द्रगांव से रेत/बजरी का खनन करते हुये पाई गई। वाहन ट्रेक्टर-ट्रॉली पॉवर ट्रेक नीला रंग को वाहन चालक विकास परते पिता बल्लू परते नि. खुटवाला, तहसील सिराली से जप्त कर पुलिस थाना सिराली में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया। इसी प्रकार 9 फरवरी को की गई कार्यवाही में हंडिया हरदा मार्ग फोरलेन, अबगांव कलाँ तहसील हंडिया पर जांच के दौरान डम्पर क्रमांक एमपी 10 एच 0816 अवैध परिवहन करते हुये पाया गया। बिना रॉयल्टी खनिज गिट्टी डम्पर को मौके से जप्त कर पुलिस थाना हंडिया में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया। प्रकरणों में अवैध परिवहन का प्रकरण तैयार कर अग्रिम कार्यवाही हेतु अपर कलेक्टर न्यायालय में प्रेषित किये जायेंगे। प्रकरण में म.प्र. अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण नियम 2022 के प्रावधान के तहत कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी।

किसानों को मिल रही सोलर पम्प की सौगात

हरदा (निप्र)। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना के अंतर्गत हरदा जिले के किसानों को सिंचाई सुविधा सुलभ कराने की दिशा में प्रभावी कार्य किया जा रहा है। मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम द्वारा योजना के तहत हरदा जिले में 361 किसानों का ऑफ ग्रिड सोलर पम्प प्रदाय करने हेतु चयन किया गया है। इस योजना से किसानों को दिन के समय निर्बाध सिंचाई, कम लागत में खेती तथा पर्यावरण संरक्षण में सहभागिता का लाभ मिल रहा है। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन व जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजली जोसेफ जोनाथन के निर्देशानुसार जनपद पंचायत टिमरनी में गुरूवार को विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला अक्षय ऊर्जा अधिकारी श्री नरेन्द्र कुमार जैन एवं विभिन्न ईकाईयों के प्रतिनिधियों द्वारा 19 किसानों के एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर फण्ड प्रक्रिया की गई। उन्होने बताया कि शिविर में आये 34 किसानों की पहले से ही कस्टमर इंफॉर्मेशन फाईल पूर्ण की जा चुकी थी।

ट्रेनों के स्टॉपेज के लिए श्री उइके ने रेल मंत्री से की चर्चा

बैतूल (निप्र)। जनजातीय बहुल बैतूल संसदीय क्षेत्र में रेल एवं बुनियादी ढांचा संबंधी समस्याओं को लेकर केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उइके ने केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से शुक्रवार को संसद भवन नई दिल्ली में विस्तृत बैठक कर क्षेत्रीय समस्याओं से अवगत कराया। इस दौरान रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय राज्य मंत्री श्री उइके द्वारा उठाए गए सभी विषयों को गंभीरता से सुना और संबंधित प्रस्तावों पर रेलवे बोर्ड एवं अधिकारियों से परीक्षण कर शीघ्र आवश्यक एवं सकारात्मक कार्यवाही का आश्वासन दिया।

बैतूल में अंडर ब्रिज को शीघ्र स्वीकृति देने की मांग : बैठक में केंद्रीय मंत्री श्री उइके ने बैतूल में यातायात की सबसे गंभीर समस्या रेलवे अंडर ब्रिज को सर्वोच्च प्राथमिकता का विषय बताया। उन्होंने बैतूल-मरामझिरी रेल खंड के किलोमीटर 850/240 पर सदर क्षेत्र में प्रस्तावित अंडर ब्रिज तथा बैतूल रेलवे मालगोदाम के नागपुर सिरे पर माचना नदी रामनगर की ओर स्थित अंडर ब्रिज को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने की मांग रखी। उन्होंने रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से कहा कि इन अंडर ब्रिजों के अभाव में शहर रोज जाम से जूझ रहा है, एम्बुलेंस और आपातकालीन सेवाएं बाधित हो रही हैं तथा दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। जबकि दोनों प्रस्ताव मंडल एवं जोनल स्तर से स्वीकृति के साथ रेलवे बोर्ड को भेजे जा चुके हैं।

मुलताई रेलवे स्टेशन पर प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की मांग : केंद्रीय मंत्री श्री उइके ने मुलताई रेलवे स्टेशन की वर्षों से हो रही उपेक्षा का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि धार्मिक, सामाजिक एवं व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मुलताई नगर को आज भी पर्याप्त रेल ठहराव से वंचित रखा गया है। उन्होंने अमरावती-जबलपुर एक्सप्रेस, ग्रैंड ट्रंक एक्सप्रेस एवं जयपुर-चेन्नई एक्सप्रेस के मुलताई स्टेशन पर ठहराव की मांग रखते हुए कहा कि यह केवल सुविधा नहीं, बल्कि क्षेत्र के विकास का प्रश्न है।

बैतूल रेलवे स्टेशन को क्षेत्रीय हब बनाने की मांग : बैठक में केंद्रीय मंत्री श्री उइके ने बैतूल रेलवे स्टेशन को क्षेत्रीय रेल हब के रूप में विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने श्रद्धा सेतु एक्सप्रेस, पूरी हमसफर एक्सप्रेस, आंध्र प्रदेश एक्सप्रेस एवं भगत की कोठी एक्सप्रेस के ठहराव की मांग रखी। साथ ही अमरावती सुपरफास्ट एक्सप्रेस एवं नरखेड़ इंटरसिटी एक्सप्रेस को बैतूल तक विस्तारित करने का प्रस्ताव रखा, जिससे बैतूल सीधे देश के प्रमुख शहरों से जुड़ सके।

अन्य रेलवे स्टेशनों की समस्याएं भी रखीं : केंद्रीय मंत्री श्री उइके ने घोड़ाडोंगरी रेलवे स्टेशन पर अमरावती-जबलपुर एक्सप्रेस एवं नागपुर-इंदौर एक्सप्रेस के ठहराव की मांग रखी। इसके साथ ही आदिवासी बहुल बरबटपुर एवं ढोढरामोहार रेलवे स्टेशनों पर पेंचवेली एक्सप्रेस के ठहराव की मांग करते हुए कहा कि इससे दूरदराज के गांवों के लोगों को आवागमन में परेशानी से निजात मिलेगी ढ्ढ श्री उइके ने आमला रेलवे स्टेशन पर समता एक्सप्रेस, सिकंदराबाद एक्सप्रेस, जयपुर-चेन्नई एक्सप्रेस, मैसूर-जयपुर एक्सप्रेस, सेवाग्राम एक्सप्रेस (-नागपुर रूट का आमला तक विस्तार) तथा पूरी-जोधपुर एक्सप्रेस के ठहराव/विस्तार की मांग रखी। उन्होंने कहा कि इन ट्रेनों के ठहराव से आमला सहित आसपास के ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के यात्रियों को सीधी और सुगम रेल सुविधा उपलब्ध होगी।

हरदा, खिरकिया, टिमरनी, छनेरा स्टेशनों के स्टॉपेज को लेकर भी उठाई मजबूत मांग : केंद्रीय मंत्री श्री उइके ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के समक्ष हरदा, खिरकिया, टिमरनी एवं छनेरा रेलवे स्टेशनों पर प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की वर्षों से लंबित मांग को भी गंभीरता से रखा। श्री उइके ने कहा कि ये सभी स्टेशन जनजातीय, ग्रामीण एवं कृषि-प्रधान क्षेत्रों से जुड़े हुए हैं, जहां से बड़ी संख्या में किसान, श्रमिक, विद्यार्थी, नौकरीपेशा लोग एवं व्यापारी प्रतिदिन यात्रा करते हैं।

आमला रेलवे स्टेडियम एवं रेलवे पार्क के नवीनीकरण की मांग

इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री श्री उइके ने आमला रेलवे स्टेडियम एवं रेलवे पार्क के नवीनीकरण की मांग उठाते हुए कहा कि यह स्थान स्थानीय खिलाड़ियों, युवाओं और परिवारों के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन लंबे समय से उपेक्षा का शिकार रहा है। उन्होंने यह भी प्रस्ताव रखा कि आमला में रेलवे की उपलब्ध रिक्त भूमि पर सोलर पावर जनरेशन प्लांट अथवा कोच फैक्ट्री की स्थापना की जाए, जिससे न केवल रेलवे को लाभ होगा बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। दादाधाम इंटरसिटी बंद होना जनता के साथ अन्याय है। श्री उइके ने नागपुर-भुसावल सुपरफास्ट इंटरसिटी दादाधाम एक्सप्रेस के बंद होने को जनता के साथ अन्याय बताते हुए इसके शीघ्र पुन: संचालन की मांग की। उन्होंने कहा कि इस ट्रेन के बंद होने से मुलताई, आमला, बैतूल, घोड़ाडोंगरी, टिमरनी, हरदा, खिरकिया एवं छनेरा के हजारों यात्रियों को रोज परेशानी उठानी पड़ रही है।

अवैध वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई: 12 वाहनों पर चालानी कार्यवाही, 8 वाहन जब्त

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में विभिन्न विभागों के द्वारा सघन जांच पड़ताल अभियान के रूप में क्रियान्वित किया जा रहा है। जिला परिवहन अधिकारी श्री गिरिजेश वर्मा ने बताया कि जिले में अवैध एवं नियम विरुद्ध संचालित वाहनों के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

उक्त निर्देशों के पालन में आज नटेरन एवं अशोकनगर रोड, विदिशा क्षेत्र में विशेष वाहन जांच कार्यवाही की गई। चेकिंग अभियान के दौरान कुल 12 वाहन मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करते पाए गए, जिनके विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। इनमें से 04 वाहनों से शमन शुल्क के रूप में 58 हजार की राशि तत्काल वसूल की गई। शेष 08 वाहनों को प्रकरण निराकरण की प्रत्याशा में जब्त कर पुलिस थाना परिसर नटेरन एवं करारिया में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया है। जब्त किए गए वाहनों में सांदीपनी स्कूल, नटेरन में संचालित बस सहित 02 स्कूल बसें भी शामिल हैं। प्राथमिक आकलन के अनुसार जब्त वाहनों से लगभग 2 लाख राजस्व प्राप्त होने की संभावना है। कार्रवाई के दौरान विशेष रूप से स्कूली वाहनों की फिटनेस, परमिट, बीमा, ओवरलोडिंग एवं सुरक्षा मानकों की गहन जांच की गई। साथ ही ओवरलोड संचालित हो रहे डंपरों पर भी कड़ी निगरानी रखते हुए आवश्यक दंडात्मक कार्रवाई की गई।

नर्मदापुरम में रेपिस्ट प्रधान आरक्षक को 10 साल की जेल

शादी का झांसा देकर प्रेमिका से किया था दुष्कर्म; एक साल में फैसला

नर्मदापुरम, निप्र। नर्मदापुरम में प्रेमिका को शादी का झांसा देकर उससे रेप करने वाले प्रधान आरक्षक सौरभ तोमर को 10 साल की सजा सुनाई है। सत्र न्यायाधीश ने पुलिस कर्मी सौरभ तोमर को रेप केस में दोषी करार देते हुए सजा सुनाई। फैसला सुनाने के दौरान पुलिस कर्मी सौरभ कोर्ट में मौजूद था। फैसले की जानकारी मिलते ही साथी पुलिस कर्मी कोर्ट पहुंचे। कोर्ट के फैसले के बाद पुलिस कर्मियों द्वारा नर्मदापुरम के केंद्रीय जेल ले जाया गया। एसपी साईंकृष्णा थोटा ने बताया -प्रधान आरक्षक सौरभ तोमर अपराध दर्ज होने के बाद से सस्पेंड है। कोर्ट के फैसले के अध्ययन के बाद नियमानुसार बर्खास्त करने की कार्रवाई होगी।

इटारसी का रहने वाला है आरोपी

प्रधान आरक्षक सौरभ तोमर (36) न्यास कॉलोनी इटारसी का रहने वाला है। पुलिस विभाग

में अनुकम्पा नियुक्ति से भर्ती 16 जून 2009 में हुई थी। प्रधान आरक्षक सौरभ तोमर की पीड़ित युवती से पचमढ़ी आने जाने के दौरान साल 2017 में बस में जान-पहचान हुई थी। उसका प्रेम-प्रसंग कई दिनों से चल रहा है। उसने युवती से कहा कि वह शादी करेगा। शादी का झांसा देकर उसने नर्मदापुरम में ज्यादती की। 8 अक्टूबर 2017 से 16 जनवरी 2025 के बीच कई बार उसने दुष्कर्म किया। जब सौरभ ने शादी से इंकार किया तो युवती ने कोतवाली थाने में 16 जनवरी 2025 की रात को एफआईआर दर्ज कराई। कोर्ट में चालान पेश होने के बाद लोक अभियोजक शैलेंद्र गौर द्वारा पैरवी की गई। 13 महीने बाद सत्र न्यायाधीश ने बीएनएस की धारा 64(2) (ड) में 10 वर्ष, 25हजार जुर्माना, बीएनएस की धारा 5 वर्ष, 5 हजार रुपए जुर्माना किया है।

मां की बीमारी का कहकर थाने से भाग निकला

प्रधान आरक्षक सौरभ तोमर को पचमढ़ी थाने में पदस्थ था। एफआईआर की जानकारी मिलने पर सौरभ तोमर ने मां की बीमारी का कहकर अवकाश पर पचमढ़ी थाने से निकल गया था।

खनिज विभाग ने गिट्टी का अवैध परिवहन कर रहे 3 वाहनों को किया जब्त

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा जिले में अवैध परिवहन, खनन एवं भंडारण के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत खनिज विभाग ने 12 फरवरी को खनिज अमले के साथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों का सघन दौरा कर आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान खनि निरीक्षक बैतूल द्वारा खनिज अमले के साथ बैतूलबाजार क्षेत्रांतर्गत मिलानपुर जोड़ के पास से खनिज गिट्टी के अवैध परिवहन में संलिप्त 1 वाहन डम्पर क्रमांक एमपी 48 एच 1150 को जप्त कर पुलिस थाना बैतूल बाजार की अभिरक्षा में खड़ा करवाया गया है, वहीं मुलताई क्षेत्रांतर्गत सांईखेड़ा जोड़ पर खनिज गिट्टी के अवैध परिवहन में संलिप्त 02 वाहन डम्पर क्रमांक एमपी 48 जेडजी 6777 एवं एमपी 09 जेडवाय 8710 को जप्त कर पुलिस थाना सांईखेड़ा की अभिरक्षा में खड़ा करवाया गया है।उपरोक्त अवैध परिवहनकर्ताओं के विरूद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही कर प्रकरणों को न्यायालय अपर कलेक्टर बैतूल में प्रस्तुत किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि खनिज विभाग द्वारा खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भंडारण की रोकथाम के लिए कार्यवाही लगातार जारी है।

इटारसी में कार से 8 पेटी देसी शराब जब्त

आबकारी विभाग ने कार और शराब जब्त किया; आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

इटारसी, निप्र। इटारसी में आबकारी विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने एक कार से 8 पेटी देसी प्लेन मदिरा जब्त की, जिसकी मात्रा लगभग 72 लीटर है। जब्त शराब की कीमत करीब 30 हजार रुपए आंकी गई है, जबकि वाहन सहित कुल जप्ती का अनुमानित मूल्य 1 लाख 20 हजार रुपए बताया जा रहा है। यह कार्रवाई गुरुवार की रात को मुखबिर की सूचना पर की गई। आबकारी टीम ने सिंधी कॉलोनी क्षेत्र में संदिग्ध रूप से खड़ी एक कार की तलाशी ली, जिसमें देसी शराब की पेटियां बरामद हुईं। कार सूरजगंज चौराहा और नगरपालिका रोड के बीच खड़ी मिली थी। जिस दुकान के सामने कार खड़ी थी, वह बंद पाई गई।

कार और शराब दोनों को जब्त कर मामला दर्ज किया

आबकारी विभाग अब आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रहा है ताकि यह पता चल सके कि शराब कार में पहले से रखी थी या बाद में रखी गई। इस मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। कार और शराब दोनों को जब्त कर आगे की विवेचना शुरू कर दी गई है।

इस कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी अशोक माहौरे, उपनिरीक्षक के.के.पड़रिया, आबकारी मुख्य आरक्षक दुर्गाप्रसाद माझी, आरक्षक मदन रघुवंशी, राजेश गौर, दुर्गेश पथरिया, धर्मेन्द्र बारंगे और नगर सैनिक रामावतार यादव सहित कई अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विभाग ने बताया है कि शहर में अवैध शराब के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

मोहासा में निवेशकों के लिए आरक्षित जमीन से मिट्टी उत्खनन

1800 घनमीटर खुदाई की पुष्टी, आरोपी माफिया अब भी गिरफ्त से दूर

नर्मदापुरम, निप्र। नर्मदापुरम के माखननगर में औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहा है। लेकिन इसी इलाके में खाली प्लॉटों से मिट्टी का अवैध खनन भी हो रहा है। एमपीआईडीसी के फेस-वन के बाद अब फेस-टू में भी अवैध उत्खनन की पुष्टि हुई है। संयुक्त टीम की जांच में सामने आया कि ग्राम आरी के खसरा नंबर 501/1 की जमीन से करीब 1800 घनमीटर मिट्टी खोदी गई है। अनुमान है कि यहां से 350 से 400 ट्रॉली, यानी करीब 100 डंपर मिट्टी निकाली गई। हैरानी की बात यह है कि इतने बड़े पैमाने पर खुदाई होने के बावजूद जिम्मेदार विभागों को इसकी जानकारी नहीं थी।

पहले भी हो चुका है अवैध खनन

करीब डेढ़ महीने पहले मोहासा के फेस-टू में आरक्षित प्लॉट से 12,619 घनमीटर मिट्टी का अवैध उत्खनन सामने आया था। उस समय भी मामला उजागर हुआ, लेकिन सख्त कार्रवाई नहीं हुई। अब फिर से जमीन खोदने का मामला सामने आया है। 9 फरवरी को मामला सामने आने के बाद कलेक्टर सोनिया मीना ने तुरंत संज्ञान लिया। उनके निर्देश पर खनिज, राजस्व और एमपीआईडीसी की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। खनिज निरीक्षक केके परस्ते, नायब तहसीलदार, पटवारी और एमपीआईडीसी अधिकारियों ने जमीन की नाप-जोख की। जिला खनिज अधिकारी देवेश मरकाम ने बताया कि 1800 घनमीटर अवैध उत्खनन की पुष्टि हुई है। यह खनन किसने किया और मिट्टी कहां ले जाई गई, इसकी जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

उद्योगों के लिए आरक्षित है जमीन

मोहासा औद्योगिक क्षेत्र में सरकार निवेश बढ़ाने और रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए उद्योगपतियों को सस्ती जमीन दे रही है। यहां रिन्यूएबल एनर्जी प्लांट, राइस मिल और मक्का फैक्ट्रियां स्थापित हो रही हैं। करीब 10 फैक्ट्रियों में निर्माण कार्य चल रहा है, जहां बड़ी मात्रा में मिट्टी, गिट्टी और रेत का उपयोग हो रहा है। इसी बीच अवैध खनन से जमीन को नुकसान पहुंच रहा है। अब देखना होगा कि जांच के बाद जिम्मेदार लोगों पर क्या कार्रवाई होती है।

वीर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री सरदार विष्णु सिंह उईके शासकीय महाविद्यालय सारनी में रोजगार मेले का आयोजन

245 विद्यार्थियों का चयन कर लेटर ऑफ इंटेंट प्रदान किए

बैतूल (निप्र)। वीर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री सरदार विष्णु सिंह उईके शासकीय महाविद्यालय सारनी में युवा संगम के तहत शुक्रवार को रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेले में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष सारनी श्री किशोर बरदे, जनभागीदारी अध्यक्ष श्री कमलेश सिंह, अतिथि शासकीय आईटीआई नोडल प्राचार्य श्री शुभम वानखेड़े, महिला आईटीआई से प्राचार्य श्री अजीत पंद्राम, पार्षद श्री दशरथ जाट, कमलेश सोनी उपस्थित रहे।

इस दौरान अतिथियों ने सभी युवाओं को रोजगार मेले के माध्यम से अपना भविष्य बेहतर बनाने का आह्वान किया। जिला रोजगार अधिकारी बैतूल डॉ.श्याम कुमार धुर्वे ने बताया कि रोजगार स्वरोजगार के लिए जिला रोजगार पंजीयन कराना आवश्यक होता है, क्योंकि सरकारी नौकरियों में बिना रोजगार पंजीयन के फॉर्म भी नहीं भर सकते। उन्होंने बताया कि रोजगार में 377 युवाओं ने पंजीयन किया था, जिनमें से 13 निजी कंपनियों ने 245 विद्यार्थियों का प्राथमिक रूप से चयन कर लेटर ऑफ इंटेंट प्रदान किए। इस अवसर पर जिला रोजगार कार्यालय के द्वारा 245 विद्यार्थियों को कैरियर से संबंधित मार्गदर्शन प्रदान किया गया। स्वरोजगार विभागों के द्वारा स्टॉल लगाया गया जिसमें जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के द्वारा विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई एवं 02 हितग्राहियों को स्वरोजगार के लिए ऋण प्रदान किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर लगाकर 117 अभ्यर्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें 02 सिकल सेल पॉजिटिव मरीज पाए गए, शुगर 88, बीपी-75, एचबी-92 आदि बीमारियों की जांच की गई। रोजगार मेले में स्वामी विवेकानंद करियर प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ.हरीश लोखंडे एवं भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ.अंजना संजय राठौर, डॉ दशरु यदुवंशी, डॉ राजेश हनोते, श्री बसंत उईके, श्री दिनकर लिखितकर, श्री अनुज हालदार, डॉ .सविता पटेल, श्रीमती संगीता उघड़े ,श्रीमती अर्चना महाले,श्रीमती गंगा चौरे ,श्रीमती कविता धोटे, श्रीमती निकिता सोनी, श्रीमती दीपिका सोनी, श्री अनिल तुमराम, डॉ गोलमन आहके, राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक अमन कश्यप, अभय साहू, अंकित सोनी, निशा दास, सुलेखा कुरकांजी, आयुषी कश्यप, गौतम बोरसे सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अद्भुत धाम है नवग्रह शक्तिपीठ : सीएम

मुख्यमंत्री, डबरा में नवग्रह शक्तिपीठ के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में हुए शामिल

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को ग्वालियर जिले के डबरा में नवग्रह शक्तिपीठ के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सहभागिता की। महाशिवरात्रि के अवसर पर नवग्रह शक्तिपीठ परिसर ओम नमः शिवाय से गूंज उठा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवग्रह मंदिर में दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि की कामना की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डबरा में निर्मित यह नवग्रह शक्तिपीठ एक अद्भुत धाम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश सरकार की ओर से सभी का अभिनंदन करते हुए महाशिवरात्रि पर्व की उपस्थितजन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर डबरा के शक्तिपीठ में उपस्थित होना सौभागय का विषय है। उन्होंने कहा कि डॉ. नरोत्तम मिश्र द्वारा इस नवग्रह शक्तिपीठ का निर्माण कर अद्भुत और प्रेरणादायी संकल्प को साकार किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री कुमार विश्वास का अभिदनंदन करते हुए कहा कि उन पर मां सरस्वती की कृपा सदैव बरसती है। वे समाज को प्रेरणा देने का कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्रीराम द्वारा वनवास प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि इतना समृद्ध राज्य छोड़कर संसाधनों के अभाव में भी दो राजकुमारों द्वारा रामराज्य का स्वप्न देखना साहस, धैर्य और आदर्श का प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान राम द्वारा स्वयंवर के समय विराट रूप के दर्शन करवाए जिसके साक्षी दुनिया के अनेक शासक भी थे। निश्चित ही यह प्रसंग युवा शक्ति के समाजहित में उपयोग की दृष्टि से भी अध्ययन और शोध का विषय है।

पूर्व मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने नवग्रह शक्तिपीठ के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव और अन्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि डबरा में इस प्रकल्प के पूर्ण होने और संतों के समागम का अवसर सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डबरावासियों की भावना का सम्मान करते हुए सहभागिता की है। डॉ. मिश्र ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव सहित अन्य अतिथियों को साफा बांधकर और अंगवस्त्र भेंट कर उनका सम्मान भी किया। श्री कुमार विश्वास ने कथा वाचन द्वारा अनेक पौराणिक प्रसंग सुनाए। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा, सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश में कार्यकर्ताओं ने भाजपा संगठन को बुलंदी तक पहुंचाया : नरेन्द्र सिंह तोमर

जनप्रतिनिधियों ने कहा–मध्यप्रदेश की बेहतर योजनाओं व नवाचारों को केरल में करेंगे लागू

भोपाल/ग्वालियर, (नप्र)। भारतीय जनता पार्टी के ''भाजपा फॉर विकसित केरलम'' कार्यक्रम के तहत केरल के निकायों के जनप्रतिनिधियों का मध्यप्रदेश के दो दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन रविवार को भोपाल में 11 सदस्यीय और ग्वालियर में 13 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर योजनाओं का अवलोकन किया। भोपाल के प्रतिनिधि मंडल ने लोकभवन पहुंचकर राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से भी मुलाकात कर संवाद किया। मध्यप्रदेश विधानसभा का भ्रमण करने पहुंचे जनप्रतिनिधियों से विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने मध्यप्रदेश के संगठन को बुलंदी तक पहुंचाया है। नगरीय विकास विभाग की योजनाओं का भ्रमण और अवलोकन के पश्चात् जनप्रतिनिधियों ने कहा कि मध्यप्रदेश में नगरीय विकास की कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। योजनाओं और नवाचारों को बारीकी से समझा और देखा है। केरल के निकायों में भी ऐसी योजनाओं को लागू कराया जाएगा।

मध्यप्रदेश देश का आदर्श राज्य है

मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश देश के उत्कृष्ट और समृद्ध राज्यों में से एक है। मध्यप्रदेश में जनसंघ के समय से भाजपा का संगठन मजबूत स्थिति में है और आज यह संगठन अपनी कार्यकुशलता और जनसेवा के लिए पूरे देश में आदर्श बना हुआ है। मध्यप्रदेश भाजपा संगठन बूथ स्तर पर पूरी तरह सक्रिय है और वहां की समितियां लगातार जनता की सेवा में जुटी हुई हैं। उन्होंने कहा कि हमारे संगठन का हर कार्यकर्ता गांव व शहरों में पार्टी के विचारों को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है और यही हमारी सफलता का राज है। मध्यप्रदेश और केरल राज्य के बीच हमेशा अच्छे संबंध रहे हैं, और इस उदाहरण के रूप में श्री ओ. राजगोपाल जैसे वरिष्ठ नेता को मध्यप्रदेश से राज्यसभा भेजा गया था, जो पार्टी के मजबूत संबंधों और सहयोग को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार और भाजपा संगठन हर स्तर पर जनता की समस्याओं को समझकर समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में मिली केरल में भाजपा को विजय

केरल के निकायों के जनप्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश प्रवास के दौरान भोपाल और ग्वालियर में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए स्वागत और सम्मान से अभिभूत नजर आए। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी से मुलाकात निश्चित हुई, तब विश्वास नहीं हो रहा था कि हम जैसे सामान्य कार्यकर्ता सीधे प्रधानमंत्री जी से मिल सकते हैं। जब मध्यप्रदेश के भोपाल व ग्वालियर का प्रवास कार्यक्रम निर्धारित हुआ, तब किसी ने नहीं सोचा था कि मध्यप्रदेश के पार्टी कार्यकर्ता हम लोगों का इतना सम्मान व स्वागत करेंगे। उन्होंने कहा कि केरल में भाजपा को पिछले कई वर्षों बाद निकाय चुनावों में बड़ी जीत मिली है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने अथक परिश्रम किया और आज केरल के कई निकायों में भाजपा का परचम लहरा रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने ढेरा में विश्वेश्वरनाथ मंदिर में किया भगवान शिव का अभिषेक

भोपाल (नप्र)। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने गृह ग्राम ढेरा में विश्वेश्वरनाथ मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक किया। उप मुख्यमंत्री ने भगवान शिव की विधिवत पूजा अर्चना और हवन किया प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर विधायक मनगवां श्री नरेन्द्र प्रजापति, कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन, पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

शिव जी की बारात में हुये शामिल – महाशिवरात्रि के अवसर पर भगवान भोलेनाथ की बारात में निकाली गयी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बैजूधर्मशाला पहुंचकर शिव जी की बारात में शामिल हुये। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने इस अवसर पर पूजा-अर्चना करके विन्ध्य क्षेत्र और पूरे प्रदेश की खुशहाली की कामना की तथा आमजनों को महाशिवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विन्ध्य क्षेत्र में देश के सबसे प्राचीनतम शिव मंदिर स्थित हैं। रीवा में महामृत्युंजय मंदिर, देवतालाब शिव मंदिर, मनकामेश्वर मंदिर, गुढ़ में कष्टहरनाथ शिव मंदिर, बिरसिंहपुर में गैवीनाथ शिव मंदिर में हजारों भक्त प्रतिदिन श्रद्धापूर्वक भजन पूजन करते हैं। भगवान शिव के आशीर्वाद से ही क्षेत्र का विकास हो रहा है। रीवा में शिव बारात आयोजन समिति पिछले कई वर्षों से महाशिवरात्रि पर भव्य शिव बारात का आयोजन कर रही है। हजारों लोगों का इसमें शामिल होना आयोजन की सफलता का प्रमाण है। भगवान शिव हम सब पर अपनी कृपा सदैव बनाये रखें। शिव जी की बारात बैजूधर्म शाला से शुरू होकर शहर के मुख्य मार्गों से होते हुई पचमठा धाम पहुंची। शिव जी की बारात में धर्मध्वजा आगे-आगे चली। बरात में सहनाई, नगरिया, ढोल, नगाड़े जैसे पारंपारिक वद्यंत्रो से मधुर धुने बजाई गयी। बारात में घोड़ा, बग्घी विभिन्न भगवान की झाकियाँ सहित हजारों भक्तगण शामिल रहे। बारात के लिए पुलिस ने सुरक्षा और यातायात के विशेष प्रबंध किये। बारात का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। शिव बारात में भगवान राम, महाकाल और भैरव की झांकी आकर्षण का केन्द्र रही। बारात में 31 फिट का विशाल दिव्य त्रिशूल सबके आकर्षण का केन्द्र रहा।

महाशिवरात्रि पर 4 लाख श्रद्धालु ने किए महाकाल के दर्शन, 44 घंटे खुले रहेंगे मंदिर के पट

उज्जैन, खरगोन, नर्मदापुरम, मंदसौर (नप्र)। महाशिवरात्रि के अवसर पर उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं का भारी सैलाब उमड़ा। अब तक 4 लाख से अधिक भक्त भगवान महाकाल के दर्शन कर चुके हैं। रविवार का दिन होने से भीड़ में लगातार इजाफा हो रहा है और देर रात तक संख्या और बढ़ने का अनुमान है। शहर के होटल, लॉज और होम-स्टे पहले ही फुल हो चुके हैं।

मंदिर के पट रात 2:30 बजे विधिवत खोले गए। मंत्रोच्चार के साथ गर्भगृह में पूजन और जलाभिषेक किया गया। इसके बाद दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक हुआ। भगवान महाकाल को भांग, चंदन और त्रिपुंड अर्पित कर राजा स्वरूप में श्रृंगार किया गया।

ज्योतिर्लिंग को वस्त्र से ढंककर भस्म रमाई गई। तड़के हुई भस्म आरती में पासधारी श्रद्धालुओं के साथ चलित भस्म आरती के दर्शन भी कराए गए। मंदिर समिति के अनुसार श्रद्धालुओं को औसतन 40 मिनट में दर्शन कराए जा रहे हैं। चार पहर की विशेष पूजा के चलते मंदिर के पट 44 घंटे लगातार खुले रहेंगे।

वहीं भोजपुर स्थित भोजेश्वर मंदिर में भी सुबह 3:30 बजे से ही श्रद्धालुओं की कतारें लग गई थीं। शाम 4 बजे तक करीब डेढ़ लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शाम 5:30 बजे मंदिर पहुंचे और भगवान भोजेश्वर की पूजा-अर्चना की। प्रशासन की ओर से छांव, कालीन और यातायात की पर्याप्त व्यवस्था की गई, जिससे दिनभर दर्शन और आवागमन सुचारु रूप से चलता रहा।

भोजपुर में डेढ़ लाख भक्त पहुंचे, शिवराज ने की पूजा

भोजेश्वर शिव मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी

महाशिवरात्रि पर भोजपुर स्थित भोजेश्वर शिव मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव के अनुसार सुबह 3:30 बजे से ही दर्शन के लिए लंबी कतारें लग गई थीं और शाम 4 बजे तक करीब डेढ़ लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे। श्रद्धालुओं के लिए छांव और कालीन की व्यवस्था होने से धूप के बावजूद दर्शन सुगमता से हुए। शाम 5:30 बजे केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी पहुंचकर भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

मार्च के बाद संघ में बड़े फेरबदल के आसार

चर्चा है कि मार्च में आरएसएस की वार्षिक अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक के बाद बड़े स्तर पर फेरबदल के आसार हैं। कई राज्यों के संगठन महामंत्री बदले जाएंगे और कुछ नए प्रचारकों को भाजपा में भेजा जा सकता है। आरएसएस की वार्षिक अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा हर साल मार्च में होती है। 2026 में हरियाणा के समालखा में आयोजित होने की संभावना है। इस महत्वपूर्ण बैठक में संघ के 2025-2026 के कार्यों की समीक्षा और 2026-2027 की कार्ययोजना पर विचार होगा। कहा जा रहा है कि इस बैठक में प्रांत प्रचारक की जगह क्षेत्रीय प्रचारक और विभाग प्रचारक की जगह संभाग प्रचारक बनाने के प्रस्तावों पर अंतिम निर्णय लिए जा सकते हैं। इसके अलावा भाजपा में नए प्रचारकों को भेजने और पुराने लोगों की वापसी का भी निर्णय हो सकता है। संगठन में रिक्त पदों को भरने पर भी विचार होगा। पिछले साल आरएसएस की वार्षिक अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक 21 से 23 मार्च 2025 तक बेंगलुरु में हुई थी। इस बैठक में संघ के शीर्ष नेता और प्रतिनिधि भाग लेते हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार ने किसानों की जरुरत को पहचाना

छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने राज्य के किसानों की जरुरत को ध्यान में रखकर होली के पहले धान खरीदी की अंतर राशि एक मुश्त होली के पहले देने का फैसला किया है। आमतौर पर छत्तीसगढ़ के गांवों में होली के बाद शादी का सीजन शुरू होता है। खासतौर से किसानों के यहां शादी का लग्न होली के बाद शुरू होता है। इस वक्त तक उनका उपज बिक जाता है और उसका भुगतान भी मिल जाता है। देखा जाता है कि किसानों को उपज का जितना मूल्य मिलता है, उसका अधिकांश हिस्सा दवाई, खाद और अन्य उधारी चुकाने में चला जाता है। शादी-विवाह के लिए उन्हें साहूकारों या अन्य लोगों का मुंह ताकना होता है, उनसे उधारी लेकर जिम्मेदारियों का निर्वहन करते है। धान के मूल्य की अंतर राशि होली के पहले मिल जाने से गांवों में किसानों के पास शादी-विवाह के लिए उधार की जरुरत नहीं पड़ेगी। एक मुश्त राशि का इस्तेमाल अपने बच्चों की शादी में खर्च कर सकेंगे। सरकार ने जरुरत के अनुसार किसानों को फंड उपलब्ध कराकर इस साल उनके शुभ काम में भागीदार बनेगी।

भूपेश बघेल के बेटे का राजनीति में दस्तक

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल पिछले दिनों दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिले। खड़गे से मुलाक़ात को चैतन्य बघेल की राजनीति में दस्तक के रूप में देखा जा रहा है। चैतन्य बघेल शराब घोटाले के आरोप में कुछ महीने जेल में बिता चुके हैं। जेल से जमानत पर रिहा होने पर चैतन्य बघेल का भव्य जुलुस भी निकला था। वैसे छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्रियों के पुत्रों का राजनीति में प्रवेश की परंपरा रही है। छत्तीसगढ़ के पहले मुख्यमंत्री अजीत जोगी के पुत्र अमित जोगी एक बार विधायक रहे और अब कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी चला रहे हैं। डॉ रमन सिंह के पुत्र अभिषेक सिंह एक बार राजनांदगांव से सांसद रहे। अभी भाजपा में सक्रिय हैं। अब देखना यह है कि भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल भी राजनीति की राह पकड़कर किस लक्ष्य पर पहुँचते हैं। छत्तीसगढ़ से वास्ता रखने वाले और संयुक्त मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे श्यामाचरण शुक्ल के पुत्र अमितेश शुक्ल छत्तीसगढ़ में मंत्री रहे और मोतीलाल वोरा के पुत्र अरुण वोरा विधायक।

आईएफएस मनीष कश्यप को गुस्सा क्यों आया ?

2015 बैच के आईएफएस और मनेन्द्रगढ़ के डीएफओ मनीष कश्यप को आखिरकार इतना गुस्सा क्यों आ गया कि उन्होंने अपने वरिष्ठ अफसर को गाली दे दी और पद की प्रतिष्ठा का ख्याल भी नहीं रखा। सरकार ने अमर्यादित आचरण के लिए आईएफएस मनीष कश्यप को सस्पेंड कर दिया। यह अलग बात है कि सरकार ने मनीष को घटना के करीब एक पखवाड़े बाद सस्पेंड किया। घटना 23 जनवरी की है और उनका निलंबन आदेश 9 फ़रवरी को निकला। मनीष कश्यप दूसरी बार सस्पेंड हुए हैं। उन्हें भूपेश बघेल राज में लोक सुराज अभियान के दौरान सस्पेंड किया गया था। वन विभाग के जिस सचिव के साथ मनीष कश्यप ने दुर्व्यवहार किया वे उनसे करीब 17 साल वरिष्ठ हैं और उन्हीं की सेवा के हैं। खबर है कि वरिष्ठ अफसर के एक वाक्य ने आईएफएस मनीष कश्यप का पारा गर्म कर दिया और वे आपा खो बैठे। वरिष्ठता का सम्मान भूल गए। निलंबन के बाद लोग मनीष कश्यप की पिछली घटनाओं को भी याद करने लगे हैं। पर सरकार के सचिव को मातहत द्वारा गाली देने की घटना ने मशीनरी की पोल खोल दी है। चर्चा है कि मनीष कश्यप को स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल की पसंद पर मनेन्द्रगढ़ का डीएफओ बनाया गया था। सुंनने में आ रहा है कि जब मनीष कश्यप को मनेन्द्रगढ़ का डीएफओ बनाया गया था, तब कुछ स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उनका विरोध किया था। बाद में गांवों में उनके महुआ बचाओ अभियान और अन्य कामों से उन्हें सराहना मिलने पर विरोध दब गया।

छत्तीसगढ़ में कब बनाया जाएगा पूर्णकालिक डीजीपी

अरुणदेव गौतम को राज्य के कार्यवाहक डीजीपी बने एक साल से भी ज्यादा समय हो गया है पर अब तक पूर्णकालिक डीजीपी की कोई सुगबुगाहट नहीं है। लगता है पूर्णकालिक डीजीपी के लिए यूपीएससी से आया पैनल रद्दी की टोकरी में चला गया। अरुणदेव गौतम 4 फ़रवरी 2025 से छत्तीसगढ़ के कार्यवाहक डीजीपी हैं। 2026 के फरवरी महीने के 15 तारीख़ आने के बाद भी पूर्णकालिक डीजीपी के लिए कोई हलचल नहीं है। नक्सल प्रभावित राज्य होने के साथ अब छत्तीसगढ़ में कानून-व्यवस्था की समस्या भी निर्मित होने लगी है। तमनार की घटना हो या फिर अन्य जगहों की, पुलिस की रणनीति पर लोग सवाल खड़े कर रहे हैं। राज्य में नक्सल समस्या के समाधान के लिए 31 मार्च 2026 की डेडलाइन तय है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह खुद नक्सल समस्या के सफाए की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। मानकर चला जा रहा है कि छत्तीसगढ़ अगले कुछ महीनों में माओवादियों के चुंगल से मुक्त हो जाएगा। एक बड़े लक्ष्य को हासिल करने के उत्साह में क्या जरुरी चीजों को तदर्थवाद पर चलाना ठीक है।

भतपहरी के खिलाफ ननकीराम का मोर्चा

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री ननकीराम कंवर ने इस बार लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता विजय कुमार भतपहरी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ननकीराम कंवर राज्य के कई अफसरों के खिलाफ शिकायत कर चुके हैं। ननकीराम कंवर ने राज्य के मुख्य सचिव विकासशील और लोक निर्माण विभाग के सचिव कमलप्रीत सिंह को पत्र लिखकर लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता विजय कुमार भतपहरी के खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। ननकीराम कंवर की चिट्ठी रद्दी की टोकरी में जाती है या रफ्तार पकड़ती है, यह समय बताएगा ? पर ननकीराम कंवर की चिट्ठी से लोक निर्माण विभाग सुर्ख़ियों में आ गया है। भूपेश बघेल की सरकार में विजय कुमार भतपहरी को लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता से हटाकर मंत्रालय में ओएसडी बना दिया गया था। विष्णुदेव साय की सरकार में विजय कुमार भतपहरी के दिन फिर लौट आए।

अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 21 फ़रवरी को ?

माना जा रहा है कि छत्तीसगढ़ की अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 21 फ़रवरी को हो जाएगा। मतदाता सूची का प्रकाशन हो जाने के बाद राज्य में एसआईआर का काम पूरा हो जाएगा। माना जा रहा है कि एसआईआर का कार्य पूर्ण होने के बाद राज्य के चार पांच कलेक्टर बदले जा सकते हैं। बलौदाबाजार-भाटापारा के कलेक्टर दीपक सोनी की जगह कौन आईएएस जाता है, इस पर सबकी नजर है। दीपक सोनी भारत सरकार में स्वास्थ्य मंत्रालय में जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा अपनी पसंद के किसी आईएएस को बलौदाबाजार-भाटापारा का कलेक्टर बनवाकर ले जा सकते हैं। बलौदाबाजार टंकराम वर्मा का विधानसभा क्षेत्र है। तमनार मामले में रायगढ़ एसपी के तबादले के बाद कलेक्टर को भी बदलने की चर्चा है। माना जा रहा है कि रायगढ़ का कलेक्टर मंत्री ओ पी चौधरी की पसंद का ही अफसर होगा। कुछ बड़े जिलों के कलेक्टर बदले जाने की भी सुगबुगाहट है। मंत्रालय स्तर पर अफसरों के विभागों में हेरफेर अब विधानसभा के बजट सत्र के बाद आसार नजर आ रहा है।